राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 15 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 13 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

5 करोड़ दो...नहीं तो परिवार सहित, पंजाब के आप विधायक को मिली जान से मारने की धमकी

जालंधर। पंजाब के जालंधर से एक विधायक रमन अरोड़ा को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है। विधायक रमन अरोड़ा का कहना है कि उन्हें 2 बार धमकी भरा फोन आया है। आरोपी ने 5 करोड़ रुपए की डिमांड की है साथ ही गैंगस्टरों की ओर से पैसे न देने पर परिवार सहित गोली मारने की धमकी दी गई है।

विधायक रमन अरोड़ा ने पुलिस कमिशनर धनप्रीत कौर को इस संबंध में शिकायत दी है। विधायक अरोड़ा ने दावा किया कि उन्हें 2 बार धमकी भरा फोन आया। पहली बार उन्हें 8 नवंबर को एक कॉल आई। इसके बाद अगले दिन यानी 9 नवंबर को फिर से एकबार कॉल आई। दोनों बार कॉल विदेशी नंबर से ही आई। उन्होंने बताया कि फोन करने वाला उनसे 5 करोड़ रुपए की मांग करने लगा। रुपए न देने पर परिवार सहित उन्हें गोली मारने की धमकी देने लगा।

विधायक रमन ने अपनी शिकायत में आगे बताया कि आरोपी ने इस दौरान अपना नाम नहीं बताया। न ही किसी गैंग से जुड़े होने की कोई बात कही। बस रुपए देने की धमकी देता रहा। हांलाकि विधायक ने इस संबंध में कोई ऑडियो जारी नहीं की है।

बता दें विधायक रमन अरोड़ा को करीब 6 माह पहले विजिलेंस ने गिरफ्तार किया था। टीम को तब उनके घर से करीब साढ़े 5 लाख रुपए नकदी और एक किलो के करीब सोने के गहनों के साथ कुछ चांदी के गहने भी मिले थे।

वह कोई रॉबिन हुड नहीं', राजा वड़िंग की गिरफ्तारी के आदेश जारी

चंडीगढ़। पूर्व मंत्री बूटा सिंह पर दिए बयान को लेकर पंजाब कांग्रेस के प्रधान राजा वड़िंग की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। इस मामले को लेकर पंजाब स्ट कमीशन के चेयरमैन जसबीर सिंह गढ़ी ने वड़िंग की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं।

डीएसपी कपूरथला हरगुरदेव सिंह को चंडीगढ़ तलब कर पूछा कि अब तक राजा वड़िंग को गिरफ्तार क्यों नहीं किया? इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि वड़िंग की वीडियो की फोरेंसिक जांच होगी। इसमें हफ्ता-10 दिन लगेंगे। दिवंगत बूटा सिंह के बेटे ने स्ट सर्टिफिकेट दिया है। इसके बाद चेयरमैन गढ़ी ने 8 दिन के अंदर राजा वड़िंग को गिरफ्तार करने के आदेश दिए। गढ़ी ने कहा कि राजा वड़िंग है कोई रॉबिन हुड नहीं है जो आपको मिल नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि वड़िंग तरनतारन और नवांशहर में घूम रहा है, आपको क्यों नहीं मिल रहा। ये तो वो बात हो गई कि खरगोश खुले मैदान में है और शिकारी ने अपने कुत्तों की चेन पकड़ रखी है।

बता दें कि राजा वड़िंग ने 4 नवंबर को तरनतारन के एक गांव में पूर्व गृह मंत्री बूटा सिंह पर नस्लीय टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि 'नाम सुणेया बूटा सिंह दा, काले रंग दा हुंदा सी, जमा काला, पट्टे पाउंदा सी पट्टे, कांग्रेस ने उस नू देश दा गृहमंत्री बणाया। इस बयान के बाद राजनीति गर्मा गई और वडिंग पर मुश्किलें बढ़ने लगी।

लालकिले के पास घूम रही थी लाल ईकोस्पोर्ट

फरीदाबाद में ईदगाह के पीछे मिली लाल इकोस्पोर्ट, धमाके वाली रात हुआ था इस्तेमाल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली में हुए धमाके के मामले में पुलिस को एक बड़ी सफ्लता हाथ लगी है। जिस दूसरी लाल रंग की इकोस्पोर्ट कार का इस्तेमाल संदिग्धों द्वारा किया गया था, उसे फरीदाबाद के खंदावली गांव से बरामद कर लिया गया है। फरीदाबाद पुलिस ने इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है। यह बरामदगी मामले की जांच में अहम साबित हो सकती है, क्योंकि यह कार घटना के तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से जोड़ने का संकेत दे रही है। पुलिस इस गाड़ी से जुड़े अन्य सुरागों की भी तलाश कर रही है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस ने लाल रंग की इकोस्पोर्ट ष्ठरु 10 ष्ठ्य 0458 को पकड़ा है, जिसके दिल्ली ब्लास्ट मामले के मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर से जुड़े होने का संदेह है। यह खंदावली गांव के पास ईदगाह के पीछे खड़ी मिली है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस सूत्रों ने बताया कि आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के फरीदाबाद मॉड्यूल के संदिग्ध फरीदाबाद में पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद दिल्ली में दो कारों से पहुंचे थे। एक कार, जोकि हरियाणा नंबर की है, से लालकिले के सामने बम धमाका किया गया है।

जबकि दूसरी (ईकोस्पोर्ट) कार बेलगाम घूम रही थी। इसका रजिस्ट्रेशन नंबर-डीएल-10 सीके 0458 है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों कारें एक साथ दिल्ली पहुंची थी और चांदनी चौक पार्किंग में भी एक ही साथ थीं।

इस कार में एक संदिग्ध सवार था और वह आई-20 कार में सवार संदिग्धों से बात भी कर रहा था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि ये दोनों कारें बदरपुर बॉर्डर से एक साथ ही दिल्ली घुसी थीं। साथ ही चांदनी चौक व लालकिले के आसपास एक साथ घूम रही थी।

दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर रात तक इसमें सवार संदिग्ध के बारे में कोई सुराग हाथ नहीं लगा था। पुलिस अब इस कार से जुड़ी हर छोटी-बड़ी डिटेल खंगालने में जुट गई है, जिससे इसमें सवार उस संदिग्ध तक पहुंचा जा सके और पूरे मामले की कड़ियां जोड़ी जा सकें।

दिल्ली कार लास्ट केस : एनआईए ने जांच के लिए टीम गठित की, एडीजी विजय सखारे को कमान

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली कार ब्लास्ट की जांच के लिए टीम का गठन किया है। सूत्रों ने बताया है कि एडीजी विजय सखारे के नेतृत्व में पूरी टीम काम करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को जांच सौंपी थी। सूत्रों के अनुसार, एनआईए ने दिल्ली ब्लास्ट की जांच के लिए 'स्पेशल 10' अधिकारियों की टीम तैयार की है, जिसमें आईजी, दो डीआईजी और 3 एसपी होंगे। बाकी डीएसपी स्तर के अधिकारी इस टीम में शामिल हैं। दिल्ली ब्लास्ट मामले को लेकर बुधवार को एनआईए के डीजी और आईबी चीफ की बैठक भी हुई है। सूत्रों ने यह भी बताया कि एनआईए की टीम जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और हरियाणा पुलिस से 'जैश मॉड्यूल' की तमाम केस डायरी आज अपने कब्जे में लेगी। वहीं, फरीदाबाद में 'आतंकी मॉड्यूल' का पर्दाफाश होने के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के घेरे में है। इस यूनिवर्सिटी से जुड़े तीन संदिग्ध आतंकियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। मामले में एजेंसियों ने जांच दायरा बढ़ाते हुए छह और लोगों को हिरासत में लिया। अल फलाह यूनिवर्सिटी में जांच एजेंसियां 50 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी हैं। इन लोगों में यूनिवर्सिटी में डॉक्टर मुजम्मिल के साथ काम करने वाले संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय के छात्र और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य शामिल हैं।

इस्लामाबाद कोर्ट ब्लास्ट को लेकर शहबाज शरीफ ने भारत पर लगाया आरोप, विदेश मंत्रालय ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के इस्लामाबाद कोर्ट परिसर में हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 36 घायल हो गए। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत पर आरोप लगाया। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी पीएम के इन आरोपों पर तगड़ा पलटवार किया है।

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत स्पष्ट रूप से विक्षिप्त पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा लगाए जा रहे निराधार आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।

उन्होंने कहा, देश में चल रहे सैन्य प्रेरित संवैधानिक विध्वंस और सत्ता-हरण से अपनी जनता का ध्यान हटाने के लिए भारत के विरुद्ध झूठे ब्यान गढ़ना पाकिस्तान की एक पुरानी चाल है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय वास्तविकता से भली भांति परिचित है और पाकिस्तान की हताशापूर्ण और ध्यान भटकाने वाली चालों से गुमराह नहीं होगा।

पाकिस्तान अक्सर दुनिया के सामने अपनी फजीहत करवाता रहता है। पाकिस्तान इकलौता ऐसा देश है, जिसे बेइज्जती करवाने के लिए किसी और की जरूरत नहीं पड़ती। शहबाज सरकार के मंत्री इस काम को करने का हुनर रखते हैं। इसका ताजा उदाहरण इस्लामाबाद कोर्ट धमाके में देखने को मिला।

दरअसल, धमाके को लेकर पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा, ये हमले भारत के समर्थन से होने वाले आतंकवाद का हिस्सा हैं, जिनका मकसद पाकिस्तान को अस्थिर करना है। अफगानिस्तान की जमीन से भारत की सरपरस्ती में किए जा रहे इन हमलों की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, हम जंग की हालत में हैं। हमला अफगान सीमा या बलूचिस्तान में नहीं, बल्कि इस्लामाबाद में हो रहा है। तालिबानी शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस्लामाबाद तक यह जंग लाना काबुल की तरफ से एक संदेश है। एक ओर शहबाज शरीफ का कहना है कि यह धमाका भारत के समर्थन में हुआ। वहीं उनके खुद के रक्षा मंत्री का कहना है कि ये हमला तालिबान की तरफ से किया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बयान ही आपस में मेल नहीं खा रहे। इस तरह से भारत को बदनाम करने की पाकिस्तान की झूठी चाल फिर से बेनकाब हो गई।

खास तौर से शहबाज शरीफ का ये बयान तब सामने आया, जब सीमा पर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हिंसक तनाव जारी है। आलम ये है कि तीन राउंड की वार्ता के बाद भी दोनों देशों के बीच बात नहीं बनी।

बालोद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से 3 करोड़ नकद एवं 12 लाख की कार बरामद

क्रेटा वाहन में छिपाकर ले जाई जा रही थी भारी नकदी

एसबीआई व पुलिस के अधिकारियों के मौजूदगी में की गई नकदी की गिनती

बालोद (समय दर्शन)। बुधवार को सुबह विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की क्रेटा रायपुर से नागपुर की ओर जा रही है, जिसमें बड़ी मात्रा में नकदी ले जाई जा रही है।

प्राप्त सूचना के आधार पर तत्परता एवं सतर्कता से कार्रवाई करते हुए वाहन का पीछा किया गया तथा उसे थाना बालोद क्षेत्रांतर्गत ग्राम पड़कीभाठ के पास रोककर चेक किया गया। वाहन में एक चालक एवं एक सहयात्री सवार पाए गए। वाहन की गहन तलाशी के दौरान ड्राइवर सीट के नीचे एक गुप्त कक्ष (सीक्रेट चैम्बर) पाया गया जो बंद अवस्था में था। संदेहास्पद स्थिति को देखते हुए वाहन को थाना परिसर लाया गया तथा दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में तहसीलदार को बुलाकर आगे की वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ की गई। तहसीलदार एवं गवाहों की मौजूदगी में गुप्त कक्ष का ताला खोलकर निरीक्षण करने पर उसमें भारी मात्रा में नकदी प्राप्त हुई। वाहन सवार व्यक्तियों से प्रारंभिक पूछताछ में यह राशि लगभग 3.00 करोड़ (तीन करोड़ रुपये) बताई गई।

नकदी की सत्यता एवं सटीक गणना के लिए भारतीय स्टेट बैंक से नोट गिनने की मशीन एवं बैंक अधिकारी को बुलाया गया। वर्तमान में बैंक अधिकारी की उपस्थिति में नकदी की गिनती की गई है, जिसकी संपूर्ण वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कराई गई ताकि संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। कोतवाली थाना बालोद में 106 बीएनएसएस एवं 182 क (4) एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

भूटान से लौटते ही एक्शन में पीएम मोदी, दिल्ली धमाके में घायल हुए लोगों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान से स्वदेश लौटने के बाद दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में घायलों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री सुरक्षा मामलों की कैबिनेट बैठक में भी शामिल हो सकते हैं।

पीएम मोदी ने घायलों से मुलाकात की। बताते चलें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इस घटना की जांच कर रही है। इससे पहले, पहले दो दिवसीय दौरे पर भूटान गए प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले के पास हुए ब्लास्ट मामले में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने सख्त संदेश देते हुए कहा था कि इस ब्लास्ट में संलिप्त आरोपियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान में लाल किले के ब्लास्ट का जिक्र करते हुए कहा था कि आज मैं बहुत ही भारी मन से यहां आया हूं। मैं प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा हूं। इस दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। इस ब्लास्ट को अंजाम देने वाले किसी भी

साजिशकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा, जो इसके जिम्मेदार हैं, उन्हें जरूर सख्त सजा मिलेगी।

बता दें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थित लाल किले के पास ब्लास्ट हुआ था। इस ब्लास्ट की जद में आकर कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच का जिम्मा राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया है।

राजधानी दिल्ली की हवा 'दमघोंटू', अधिकतर इलाकों में एयूआई 400 के पार; बीमारियों की चपेट में आने लगे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। बुधवार को फिर से राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में धुंध की परत छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गीता कॉलोनी-लक्ष्मी नगर रोड इलाके में बुधवार सुबह एक्यूआई 413 दर्ज किया गया। इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास का क्षेत्र भी जहरीली धुंध की घनी परत में लिपटा हुआ है और इस क्षेत्र में एक्यूआई 408 बना हुआ है। इसके अलावा, वायु गुणवत्ता सूचकांक अलीपुर में 431, आनंद विहार में 438, अशोक विहार में 439, चांदनी चौक में 449, द्वारका सेक्टर-8 में 422, आईटीओ में 433, जहांगीरपुरी में 446, आरके पुरम में 432 और रोहिणी में 442 है।

इसी बीच, दिल्ली में बुधवार से कक्षा 5 तक के

प्राथमिक छात्रों के लिए हाइब्रिड मोड लागू हो रहा है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप)-3 के बाद यह फैसला लिया गया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि जीआरएपी चरण-3 के मद्देनजर सुरक्षा उपाय तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, कक्षा 5 तक, बुधवार से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। स्कूलों में हाइब्रिड मोड लागू रहेगा।

अभिनेता धर्मेंद्र को अस्पताल से मिली छुट्टी, अब घर पर ही होगा ही-मैन का इलाज

मुंबई। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को हाल ही में तबीयत बिगड़ने के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि अब एक राहत की खबर सामने आई है। अस्पताल में कुछ दिनों तक इलाज कराने के बाद 89 वर्षीय अभिनेता की तबीयत में काफी सुधार हुआ है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब उनका इलाज उनके बंगले पर ही जारी रहेगा।

ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर ने पुष्टि की है कि धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है क्योंकि परिवार ने उन्हें घर ले जाने का निर्णय लिया है। अभिनेता को एंबुलेंस के जरिए उनके घर पहुंचाया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आने वाले दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं

2 साल से जमा कर रहे थे विस्फोटक, पूछताछ में डॉ. शाहीन ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को हुए धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हुए हैं। इस हमले के बाद से देश की सुरक्षा एजेंसियां लगातार छापेमारी कर रही हैं और इसमें शामिल लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। बताया जा रहा है कि ब्लास्ट से पहले ही डॉ. शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया गया था, जिसने पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे किए हैं।

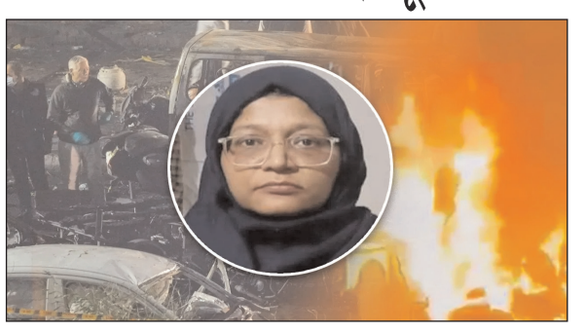

जांच एजेंसियों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद की महिला कमान संभालने वाली डॉ. शाहीन शाहिद पिछले दो साल से विस्फोटक सामग्री जमा कर रही थी। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान शाहीन ने कबूल किया

है कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर भारत में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रही थी। एजेंसियां लगातार शाहीन शाहिद से पूछताछ कर रही हैं और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल पूछताछ का केंद्र दिल्ली ब्लास्ट की साजिश को लेकर है।

शाहीन ने बताया कि उसकी जब भी मुलाकात डॉ. उमर से होती थी, वह देशभर में आतंकी हमले करने की बात करता था। शाहीन, मुजम्मिल और आदिल के साथ मिलकर दो साल से अमोनियम नाइट्रेट जैसे विस्फोटक इकट्ठा कर रही थी। यह सब जैश-ए-मोहम्मद के निर्देश पर किया जा रहा था।

सोमवार शाम करीब 6ऱ52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास हुए धमाके में जिस सफेद द्व20 कार का इस्तेमाल हुआ, उसका ष्ठष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आया है। वीडियो में काले मास्क में एक शख्स कार चलाते हुए दिखाई दिया, जिसे उमर नबी बताया जा रहा है, जो कश्मीर का रहने वाला है। ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी चर्चा में आ गई है। यहां से 7 डॉक्टरों सहित 13 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

26 जनवरी को लाल किला और दीवाली पर थी हमले की प्लानिंग, की गई थी रेकी, डॉ. मुजम्मिल ने पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

इस हमले के 3 मुख्य संदिग्धों में डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील अहमद डार और डॉ. उमर के नाम शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक धमाके में डॉ. उमर की मौत हो गई, जबकि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. अदील अहमद डार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में मुजम्मिल ने कई अहम खुलासे किए हैं, जिनमें यह भी सामने आया है कि इन लोगों का असली निशाना लाल किला ही था। जांच एजेंसियों के अनुसार, मुजम्मिल से पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने और उमर ने जनवरी के पहले सप्ताह में लाल किले की रेकी की थी। फोन डेटा की जांच में यह जानकारी सामने आई है। एजेंसियों को यह भी संदेह है कि इनकी साजिश 26 जनवरी के मौके पर लाल किले को निशाना बनाने की थी।

हमारा दिल्ली ब्लास्ट से कोई कनेक्शन नहीं', सामने आया अल फलाह यूनिवर्सिटी का आधिकारिक बयान

चंडीगढ़। फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के भंडाफोड़ और दिल्ली के लाल किले के निकट हुए ब्लास्ट के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी का नाम चर्चाओं में है। वजह साफ है कि इस यूनिवर्सिटी से जुड़े दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि तीसरा शख्स लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में मारा गया। इसी को देखते हुए अब यूनिवर्सिटी ने अपनी तरफ से आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि हमारा इस ब्लास्ट से कोई लेना-देना नहीं है। जिन लोगों को भी इस ब्लास्ट में अपनी जान गंवानी पड़ी, उनके प्रति हम दुख व्यक्त करते हैं, लेकिन जिस तरह से इस ब्लास्ट के बाद हमारी यूनिवर्सिटी का नाम लिया जा रहा है, उससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। हमारे संज्ञान में यह भी आया है कि कई सोशल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में मनगढ़ंत और झूठे बयान जारी किए जा रहे हैं।

सुरक्षाबलों ने छापे के बाद हिरासत में लिए कई संदिग्ध, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ने वाला एक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में बुधवार को कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। सोपोर पुलिस और सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से इस अभियान में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े व्यक्तियों और परिसरों पर छापे मारे। जिलेभर में आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों के खिलाफ सोपोर, जैंगीर और रफियाबाद क्षेत्रों में 25 से ज्यादा स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। ये छापे विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर आधारित थे, जिनसे संकेत मिला था कि जेईआई से जुड़े संदिग्ध लोग अलग-अलग मोर्चों पर अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं। अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों को कई अहम दस्तावेज और अन्य चीजें बरामद हुई हैं। कुछ लोगों से गैरकानूनी गतिविधियों में उनकी संलिप्तता के बारे में पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ये तलाशी अभियान सोपोर पुलिस की आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने और उसके वैचारिक व सैन्य तंत्र को ध्वस्त करने की चल रही निवारक रणनीति का हिस्सा हैं।

इसके अलावा, बुधवार को कुलगाम में भी प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई। सुरक्षाबलों की टीमों ने एक साथ 200 से ज्यादा जगहों पर छापे मारे। जमीनी स्तर पर आतंकी तंत्र और उसके समर्थन ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों के तहत, जेईएल सदस्यों और उनके सहयोगियों के घरों और परिसरों पर छापेमारी की गई।

जनजातीय गौरव दिवस पर 15 को गांधी मैदान में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

कलेक्टर ने अधिकारियो की बैठक लेकर दिये आवश्यक निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार 15 नवम्बर को देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में गरियाबंद जिला मुख्यालय के गांधी मैदान में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें जनजातीय संस्कृति,कला,वादन,हस्तशिल्प एवं विकास कार्यों का प्रदर्शन होगा।कलेक्टर बीएस उइके ने इस संबंध में आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय समाज के महापुरुषों,स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुँचाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी शासकीय संस्थानों,आश्रम-छात्रावासों,विद्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में भी जनजातीय गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाए।इस अवसर पर जनजागरण रैली,प्रभात फेरी,सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद,चित्रकला,निबंध लेखन प्रतियोगिता सहित विविध आयोजन किया जाए। उन्होनें कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों, समाज प्रमुखों एवं जनजातीय समुदाय के गणमान्य नागरिकों को सम्मान करने को कहा। साथ ही जनजातीय बहुल ग्रामों में शिविर लगाकर आधार कार्ड,जाति प्रमाण पत्र,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड आदि का वितरण किया जाएगा। कलेक्टर उइके ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। जनजातीय समाज के योगदान को याद कर नई पीढ़ी को प्रेरणा दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 से भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जंयती के उपलक्ष्य में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक पूरे देश में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्री उइके ने सभी एस.डी.एम. को अनुसूचित जनजातियों के छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने,स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आश्रम-छात्रावास एवं प्रमुख स्थानों पर निशुल्क सिकलसेल एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन करने,अनुसूचित जनजातियों के हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित करने, आदिवासी विभाग द्वारा छात्रावास-आश्रम, विद्यालय में साफ-सफाई, वृक्षारोपण, जनजातीय नायक-नायिकाओं के विषय पर संगोष्ठी, वाद-विवाद,चित्रकला,निबंध प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए इस अवसर पर अपर कलेक्अर पंकज डाहिरे,नवीन भगत,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

जेके लक्ष्मी सीमेंट संयत्र द्वारा लगभग 2 करोड़ 70 लाख रुपए की राशि नगर पालिका परिषद अहिवारा में जमा, माना आभार

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद अहिवारा नगर क्षेत्र में संचालित जेके लक्ष्मी सीमेंट संयत्र के द्वारा गलत विवरणी भरने तथा पालिका द्वारा माप करने पर संयंत्र द्वारा दी गई जानकारी गलत पाई गई और लगभग तीन लाख स्क्वायर फीट का टैक्स नगर पालिका परिषद अहिवारा द्वारा लगाया गया।

उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा जेके लक्ष्मी सीमेंट सयंत्र को 30 प्रतिशत की राशि नगर पालिका में नगर पालिका परिषद अहिवारा को जमा करने का आदेश दिया गया। जिसके एवज़ में जेके लक्ष्मी सीमेंट संयत्र द्वारा लगभग 2 करोड़ 70 लाख रुपए की राशि नगर पालिका परिषद अहिवारा में जमा किया गया।

इस संपूर्ण कार्य में नगर पालिका परिषद अहिवारा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अंकुर पांडे सब इंजीनियर खिलानंद कुल्हारे एवं उनके राजस्व विभाग के समस्त कर्मचारी गणों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रदेश शासन की मनसा के अनुरूप उक्त राशि नगर विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। अहिवारा मंडल भारतीय जनता पार्टी के अहिवारा मंडल अध्यक्ष श्री रामजी निर्मलकर जी के नेतृत्व में पार्षद वार्ड क्रमांक दो अनुज साहू ईश्वर शर्मा शिबू अग्रवाल मंडल के महामंत्री निरमेश मिश्रा उपाध्यक्ष लोकेश्वरी साहू कार्यकर्ताओं के साथ मुख्य नगर पालिका कार्यालय एवं अधिकारीयों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जिले के 3 निजी अस्पताल, आयुष्मान भारत पी एम जन आरोग्य योजना से निलंबित

महासमुंद (समय दर्शन)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पंजीकृत निजी अस्पताल महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली को योजना के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने के कारण आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से 03 माह के लिये निलंबित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव ने बताया कि महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत ईलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत पंजीकृत चिकित्सालयों में पात्रता अनुसार मरीज को चिकित्सकीय सुविधा निर्धारित पैकेज के तहत् नियमानुसार निःशुल्क प्रदान किया जाता है। योजना से पंजीकृत अस्पताल मरीजों का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार ईलाज नहीं करता या आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क ईलाज करने से मना करता है, तो इसकी शिकायत तत्काल टोल फ्री नंबर 104 पर अथवा लिखित शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में करें। साथ ही योजना संबंधी विस्तृत जानकारी टोल फ्री नंबर से प्राप्त कर सकते है।

कलेक्टर बीएस उइके ने चयनित हितग्राहियों को दिया नियुक्ति पत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के माध्यम से 26 सितम्बर 2025 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया था जिसमें निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान द्वारा 45 दिवस फुड एवं बेवरोज सर्विस में प्रशिक्षण आवेदको को दिया गया। कलेक्टर बीएस उइके ने चयनित हितग्राहियों को एक निजी संस्थान के हॉटल हैदराबाद में स्टीवर्ड पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान कर चयनित आवेदकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।इस दोरान जिला रोजगार अधिकारी अंजुम अफ्रोज सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

श्रीमती कुसुम बाई कश्यप को मिली मजबूत छत, बच्चों के लिए सुरक्षित घर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की प्राथमिकता से ग्रामीणों के जीवनस्तर में सुधार लाने का कार्य कर रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसी जनकल्याणकारी योजना ने छत्तीसगढ़ के जरूरतमंद परिवारों को अपना पक्का मकान देने का सपना साकार किया है। पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को बिना किसी देरी के आवास का लाभ मिल रहा है।

ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत अवरीद की निवासी श्रीमती कुसुम बाई कश्यप की है। वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्का मकान बनाने हेतु राशि स्वीकृत हुआ। श्रीमती कुसुम बाई कश्यप एक संघर्षशील महिला हैं। कई वर्ष पूर्व उनके पति का निधन हो गया था। परिवार में उनकी सास और तीन छोटे बच्चे हैं। पहले वे मिट्टी और खप्पर के घर में रहती थीं, जहाँ बरसात के दिनों में छत टपकती थी और सर्दी-गर्मी में रहना कठिन हो जाता था।

गरियाबंद में बाल विवाह मुक्त अभियान को मिली रफ्तार

जिले के 189 ग्राम पंचायतों और 2 नगरीय निकाय हुए बाल विवाह मुक्त घोषित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में गरियाबंद प्रशासन लगातार प्रयासरत है। कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी बीएस उइके के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय व अनिल द्विवेदी जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित अभियान से अब तक जिले की 189 ग्राम पंचायतों और 2 नगर निकाय (गरियाबंद व फिंगेश्वर) को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जा चुका है।जिला को बाल विवाह मुक्त जिला घोषित करने के लिए 31 मार्च 2029 तक का तिथि निर्धारित किया गया है। कलेक्टर श्री उइके ने सभी जनपद पंचायतों को निर्देशित किया है कि बाल विवाह रोकथाम के लिए ग्राम सभाओं में प्रस्ताव पारित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी बालक या बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण किए बिना न हो। बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है,इसलिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है।निर्धारित उम्र से कम आयु में विवाह किये जाने,कराये जाने व सहायोग करने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत् 1 लाख रूपये का जुर्माना एवं 2 वर्ष का कठोर कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है। बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत विशेष वेब पोर्टल डब्ल्यु.डब्ल्यु.डब्ल्यु.डॉट बालविवाह मुक्तसीजी डॉट कॉम तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक भी बाल विवाह की सूचना दे सकते हैं या शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि अभियान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,पंचायत प्रतिनिधि,शिक्षक, समाजसेवी संस्थाएं और विभिन्न विभागों की संयुक्त भागीदारी से जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जा रहा है।

पंडरिया शक्कर कारखाना में सरदार पटेल की प्रतिमा और हनुमान मंदिर बनेगा

विधायक भावना बोहरा ने केन पूजा व शेयर प्रमाण पत्र वितरण के साथ किया गन्ना खरीदी व पेराई सत्र का शुभारंभ

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने केन केरियर और भगवान सत्यनारायण की पूजा-अर्चना के साथ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया में सत्र 2025-26 के गन्ना खरीदी और पेराई सत्र और शेयर धारक किसानों को शेयर प्रमाण पत्र वितरण का शुभारंभ किया गया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने कारखाना के स्थापना से लेकर अबतक सरदार पटेल के नाम से संचालित होने वाले इस गन्ना कारखाने में उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा और श्री हनुमान मंदिर स्थापित करने की भी घोषणा की। इसके साथ ही इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने क्षेत्र के सभी किसानों को गन्ना खरीदी सत्र की शुरूआत पर बधाई दी और कारखाने के शेयर धारक किसानों को शेयर प्रमाण पत्र वितरण किया। इससे कारखाने के लगभग 12000 से अधिक शेयर धारक किसानों को लाभ मिलेगा वहीं अन्य किसान भी प्रेरित होंगे।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि किसानों का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होने समस्त शेयर धारक किसानों को भी बधाई देते हुए कहा कि आज शेयर प्रमाण पत्र मिला है। आप वो राष्ट्र-निर्माता हैं, जिनके खेतों से निकली मिठास करोड़ों भारतीयों के जीवन में मिठास घोलती है। आप सभी को अपनी फसल बेचने और पेराई प्रक्रिया में कोई समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया है और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया गया है जिससे अधिक से अधिक किसान अपने फसलों को बिना किसी अवरोध बेच सकें। कारखाना प्रबंधन और प्रशासन द्वारा भी विशेष व्यवस्था एवं कदम उठाए गए हैं जिससे किसान सुविधाजनक तरीके से अपनी फसल बेच सकेंगे, जिससे उनके समय और श्रम की बचत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन भाजपा सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए दीपावली के पूर्व किसानों को बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के साथ ही उन्हें प्रोत्साहन राशि एवं रिकवरी राशि का भी भुगतान करने का सराहनीय कार्य हमारी सरकार ने किया है, जिससे त्योहार में किसानों को दुगनी खुशी मिली। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा गन्ना समर्थन मूल्य घोषित करने का निर्णय गन्ना किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस निर्णय से देशभर के गन्ना किसानों को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि उनका आर्थिक सशक्तीकरण भी होगा। ड्रोन दीदी और लखपति दीदी योजना के माध्यम से ग्रामीण व किसान महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण कर उन्हें स्वालंबन की ओर अग्रसर किया है।

भावना बोहरा ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना और कृषकों को आधुनिक कृषि से जोड़ने और उपकरणों का अधिक से अधिक उपयोग करने की दिशा में भी कृषि उपकरणों में जीएसटी दरों में अभूतपूर्व कमी की गई है जिससे किसानों को सहयता मिल रही है वहीं उनकी फसल उत्पादन क्षमता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं राज्य सरकार द्वारा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में भूमिहीन किसानों को 10000 रुपए की आर्थिक सहयता, किसान समृद्धि योजना, के साथ ही हमारी सरकार मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों की उन्नति के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रही है। आज छत्तीसगढ़ में किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की कीमत दी जा रही है, जो उनकी आय को और सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के दस दिनों के भीतर ही 2 वर्ष की बकाया बोनस राशि का भुगतान कर हमने किसानों के भरोसे को और मजबूत किया। इससे पहले किसान भारी ब्याज दरों पर उधार लेकर खेती करते थे, लेकिन आज केसीसी के माध्यम से शून्य ब्याज दर पर ऋण मिल रहा है, जिससे खेती-किसानी और आसान हो गई है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण विशेष महा अभियान के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। भाजपा अहिवारा मंडल के तत्वाधान में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एस आई आर) विशेष महा अभियान के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन नंदिनी अहिवारा स्थित रेस्ट हाउस बानबरद में किया गया, जिसमें अहिवारा मंडल के सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव आयोग के द्वारा जारी मतदाता सूची में गहन विश्लेषण पुनरीक्षण के विषय को लेकर विशेष कार्यशाला के आयोजन में संबंधित जानकारी दी गई जिसमें मुख्य अतिथि एवं प्रवक्ता भिलाई जिला के पूर्व महामंत्री प्रेमलाल साहू उपस्थित हुए।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जो लोग सच्चाई के सहारे नहीं रह पाते ऐसे अच्छे लोगों को हमने देखा है सैकड़ों ग्रामीणों को अवैध रूप से वोट कराया जाता है इसी सबको ध्यानपूर्वक पड़ताल करने के लिए चुनाव आयोग ने एस आई आर लाया है जिसमें अवैध रूप से जुड़े नाम को स्वत: हटाया जाएगा, जिला उपाध्यक्ष नटवरलाल ताम्रकार ने कहा विपक्ष झूठा आरोप लगता है वोट चोरी हो गया लेकिन मोदी सरकार भाजपा सरकार राष्ट्रीय हित में कार्य करती है जिससे लोग वोट करते हैं लोगों के दिल में भाजपा है।

हमारा देश सबसे बड़ी लोकतांत्रिक देश है और चुनाव आयोग निष्पक्षता के साथ अपना कार्य करती है लेकिन कुछ लोग जो अपने क्षेत्र में चुनाव नहीं जीत सकते ऐसे लोग चुनाव के पूर्व अन्य स्थानों से भारी मात्रा में लोगों का नाम जोड़ कर वोट करते हैं और चुनाव के बाद फिर से नाम कटवा देते हैं इसी का समाधान देकर चुनाव आयोग यह फिर लाई है जिसमें हम सबको प्रत्येक बूथ मतदाता लिस्ट को चिन्हांकित करना है।

मतदाता सूची में शत-परिषद गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है विशेष पुनरीक्षण कार्यशाला में उपस्थित हुए भिलाई जिला के पूर्व महामंत्री प्रेमलाल साहू जिला उपाध्यक्ष नटवरलाल ताम्रकार अहिवारा मंडल राम जी निर्मलकर अनुज साहू शिबू अग्रवाल मुकुंद पटेल मीना जोशी लक्ष्मण छतरी मीडिया प्रभारी राकेश जसपाल होमन सिंह ठाकुर एवं अहिवारा मंडल के पदाधिकारी गण बूथ के अध्यक्ष एवं भी एल 2के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर बर्ड वॉक का हुआ आयोजन....पानी मे तैरते घोसले देखकर रोमांचित हुए युवा

पाटन (समय दर्शन)। प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सलीम अली की जन्म जयंती के अवसर पर चीचा वेटलैंड में बर्ड वॉक का आयोजन किया गया।आयोजन में पक्षी प्रेमी फोटोग्राफर शोधार्थी और प्रकृति प्रेमी युवा शामिल हुए। विदित है कि 12 नवंबर 1896 को जन्में डॉ. अली एक भारतीय पक्षी विज्ञानी, वन्यजीव संरक्षणवादी और प्रकृतिवादी थे। वे देश के पहले ऐसे पक्षी वैज्ञानिक थे, जिन्होंने सम्पूर्ण भारत में व्यवस्थित रूप से पक्षियों का सर्वेक्षण किया और पक्षियों पर ढेर सारे लेख और किताबें लिखीं। पाटन में पक्षी संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और पक्षी प्रेमियों को शिक्षित करने के लिए वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर राजू वर्मा के नेतृत्व में सुबह चीचा वेटलैण्ड में बर्ड वॉक के आयोजन किया गया।

उन्होंने विभिन्न पक्षी के प्रजातियों की पहचान, उनके आवास, प्रवास और संरक्षण के महत्व के बारे में बताया साथ ही जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता और पक्षियों की पारिस्थितिकी में भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। बर्ड वॉक में लगभग 40 प्रजाति के पक्षियों की मूवमेंट दर्ज की गई।इस दौरान कुछ प्रवासी पक्षी जैसे गढ़वाल गार्गने वुड सेंड पाइपर, कॉमन सेंड पाइपर,देखे गए। चीचा तालाब के आसपास ओपन बिल स्टोर्क ,ब्लैक हेडेड आइबिस,करमोरेंट,हैरान आदि के घोसलों के बारे में बताया गया।बया विवर के लटकते हुए घोसले और ग्रे हेडेड स्वम्फ्न के पानी मे तैरते घोसला देख रोमांचित हो उठे ये पक्षी पानी के पास घनी वनस्पतियों में पौधों की सामग्री का उपयोग करके एक गोलाकार, प्याले के आकार का घोंसला बनाते हैं जो पानी मे तैरता रहता है।

पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा मितानों को ''राहवीर योजना'' के बारे में जानकारी दी गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद पुलिस के वरिष्ट अधिकारियों के मार्गदर्शन में 12 नवम्बर को पुलिस लाईन जिला गरियाबंद में जिले के चिन्हांकित सड़क सुरक्षा मितानों का मिटिंग आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एस.डी.ओ.पी.गरियाबंद निशा सिन्हा के साथ जिला अस्पताल के डॉक्टर वी.बी.अग्रवाल, डॉक्टर मनमोहन ठाकुर के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी से अवगत कराया गया।सड़क सुरक्षा मितानों को पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों का गोल्डन ऑवर (1 घण्टे के भीतर) मदद करने वाले नेक व्यक्तियों को शासन कि ओर से बनाये गये *''राहवीर योजना''* के तहत पुरस्कार राशि 25000 (पच्चीस हजार रूपये) प्रति व्यक्ति गंभीर घायलों के प्रकरणों में पुरस्कृत किये जाने के संबंध में जारी दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सड़क सुरक्षा मितानों को सड़क सुरक्षा मितान बैच लगाकर सड़क सुरक्षा किट प्रदाय किया गया। उन्हे सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर तुरंत ही घायलों की हर संभव मदद करने के साथ पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को सूचना देने हेतु कहा गया। गरियाबंद पुलिस द्वारा शासन की इस ''राहवीर योजना'' योजना के संबंध में अपने आस पास के लोगो को जानकारी देकर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले घायलों की मदद करने व यातायात नियमों का पालन की अपील की गई।कार्यक्रम में यातायात प्रभारी एवं टीम की विषेश योगदान रहा।

अतिक्रमण के नाम पर जब्त ठेले को भाजपाइयों और निगम प्रशासन दूसरे को बेच रहे : कुलबीर सिंह छाबड़ा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपाइयों के इशारे पर काम कर रहे निगम प्रशासन भ्रष्टाचार की हद पार कर दी। पोस्ट आफिस के सामने फ्लाई ओव्हर के नीचे वर्षों से फुटकर व्यवसाय कर रहे लोगों को व्यवस्थापन किया जाएगा करके अतिक्रमण के नाम पर हटा दिया और भाजपाईयो से मिलीभगत कर उन्हें किसी दूसरे को बेचने की बात कही जो पुलिस जांच के दौरान प्रमाणित भी हुई है।

जानकारी देते हुए शहर अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने बताया कि चार माह पूर्व फ्लाई ओव्हर के नीचे फुटकर व्यवसाय कर अपने और अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले गरीब फुटकर व्यवसायियों को व्यवस्थापन किया जाएगा करके निगम आयुक्त द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत उनकी दुकानों को हटाकर सभी दुकानें अपने कब्जे में कर लिया, चूंकि मेरे द्वारा लगातार इन दुकानदारों के लिए आवाज उठाते हुए उनकी रोजी रोटी न छिना जाए करके मांग करते आये किन्तु भाजपा सरकार अपनी तानाशाही रवैये अपनाते हुए इन गरीब दुकानदारों की एक न सुनी और उनकी दुकानें अतिक्रमण है करके जबरदस्ती हटा दिया गया, जबकि ये फुटकर व्यवसायी प्रति माह निगम में पैसा पटाते आ रहे हैं और निगम द्वारा उनको बकायदा रसीद भी दिया जा रहा था। अब खुलासा हो रहा है कि भाजपा नेताओं के इशारे पर उन जब्त दुकानों को किसी अन्यंत्र को बेच दिया है।

श्री छाबड़ा ने आगे बताते हुए कहा कि रवि कुमार आत्मज देवराम सिंह पोस्ट आफिस के सामने फ्लाई ओव्हर के नीचे चाय का ठेला के लिए कर्ज लगभग 1,25000 रूपये की लागत से नया ठेला बनाकर उक्त जगह पर लगाए थे। जिसे निगम द्वारा व्यवथापित किया जाएगा करके माह जुलाई 2025 में चाय ठेले को अतिक्रमण है करके जब्त कर लिया और रवि कुमार द्वारा कई बार ठेला वापस लेने के लिए नगर निगम का चक्कर लगा रहे किन्तु निगम द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया, जबकि रवि कुमार द्वारा फ्लाई ओवर के नीचे ठेला लगाने का पैसा निगम में पटाते आ रहा है और निगम द्वारा उन्हें रसीद भी काटी जा रही है। जब रवि कुमार द्वारा अपने ठेले को किसी अन्यंत्र जगह पर देखा तो कुलबीर सिंह छाबड़ा अध्यक्ष शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पास आवेदन लेकर गए फिर तत्काल कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कोतवाली थाने जाकर इस घटना से टीआई को अवगत कराते हुए तत्काल कार्यवाही हेतु निवेदन किया और पूरी जानकारी दी कि रवि कुमार ने बताया कि उनके चाय के ठेले को पेंटकर लखोली ओव्हर ब्रिज के किनारे कोई राकेश नामक व्यक्ति दुकान लगा रहा है। मेरे चाय ठेले को मैं अच्छी तरह से पहचानता हूं जिसमें चतुर्भुज महाराज लिखा हुआ है। निगम प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि उक्त मेरे चाय ठेले को बेचने वाले व्यक्ति एफ्आईआर दर्ज कर मेरा ठेला वापस दिलाया जाएं। इस पर कोतवाली टीआई द्वारा कुलबीर सिंह छाबड़ा के शहर कांग्रेस कमेटी के पत्र देने पर और रवि कुमार के आवेदन पर तत्काल कार्यवाही की जिस पर पता लगा कि निगम प्रशासन और निगम के सत्ताधारी भाजपाई मिलकर छोटे-छोटे फुटकर व्यवसायी जिनके ठेले नगर निगम ने बलपूर्वक जब्त करके टांकाघर में रखते हैं और फिर उन ठेलों को किसी अन्य को बेच दिया जाता है जो कि इस घटना से प्रमाणित भी हुआ है। इस बाबत शहर अध्यक्ष ने एफ्आईआर दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है और पुलिस की त्वरित कार्यवाही पर कोतवाली पुलिस को धन्यवाद भी दिया है।

8वें दिन भी सहकारी समितियों के कर्मी हड़ताल पर, तैयारी अधूरी

धान खरीदी पर संकट के बादल: न तो सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन हुआ, न ही टोकन बंटे...

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों के प्रबंधकों, खरीदी प्रभारियों और ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल आठवें दिन भी जारी रही। राज्यभर में 15,000 से अधिक कर्मचारी अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर हैं। इस हड़ताल के चलते 15 नवंबर से प्रस्तावित धान खरीदी अभियान पर संकट गहराता जा रहा है।

सरकार की तैयारियां प्रभावित हैं, न तो धान खरीदी सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन हुआ है, न ही किसानों को टोकन जारी किए जा सके हैं।

हड़ताल का असर : खरीदी व्यवस्था ठप– 3 नवंबर से शुरू हुई हड़ताल ने अब धान खरीदी के पूरे सिस्टम को जाम कर दिया है। खरीदी केंद्रों में ताले लटके हैं। बारदाना खुले में पड़ा हुआ है। किसानों के लिए बैठने, पीने के पानी या छांव की सुविधा नहीं है। 'टोकन तुहर हाथ' ऐप बंद है, जिससे किसान टोकन डाउनलोड नहीं कर पा रहे।

किसान मुकेश साहू (बलौदाबाजार) ने बताया: धान काटकर सुखा लिया है, पर टोकन नहीं मिला। सरकार कह रही है खरीदी 15 से शुरू होगी, लेकिन न सिस्टम चल रहा है, न कोई कर्मचारी मौजूद है।

सरकार ने की वैकल्पिक व्यवस्था की घोषणा– लंबी हड़ताल को देखते हुए सरकार ने अब अन्य विभागों के कर्मचारियों को सोसाइटियों में तैनात करने का फैसला किया है। खाद्य विभाग के सचिव ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है कि धान खरीदी की प्रक्रिया बाधित न हो, इसलिए हड़तालियों के स्थान पर राजस्व, कृषि या अन्य विभागों के अफसरों को प्रभार सौंपा जाए। साथ ही प्रत्येक सोसाइटी में प्राधिकृत अधिकारी को संचालन का जिम्मा दिया गया है। उन्हें धान खरीदी की अनुमति और प्रशासनिक अधिकार प्रदान किए गए हैं।

हड़तालियों की मांगें– छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ की हड़ताल

चार प्रमुख मांगों पर आधारित है—

मध्यप्रदेश की तर्ज पर वेतनमान और भत्ते लागू किए जाएं।

हर समिति को 3 लाख का वार्षिक प्रबंधकीय अनुदान मिले।

सेवा नियम 2018 में आर्थिक संशोधन और पुनरीक्षित वेतनमान लागू किया जाए।

धान परिवहन, सुखत, बीज, खाद और बीमा मदों में चार गुना वृद्धि की जाए।

संघ का कहना है कि उनकी मांगें वर्षों से लंबित हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

तकनीकी तैयारियां अधर में– धान खरीदी के लिए राज्य सरकार ने नया ऑनलाइन सॉफ्टवेयर सिस्टम लागू किया है, लेकिन ऑपरेटरों की हड़ताल के कारण ट्रायल रन भी नहीं हो सका। सूत्रों के मुताबिक, कुछ जिलों में मार्कफेड के तकनीकी स्टाफ और सहकारिता उप पंजीयक खुद सॉफ्टवेयर का परीक्षण कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मानव संसाधन की भारी कमी के कारण प्रक्रिया ठप है। अब तक कोई भी पोर्टल पर टोकन जारी नहीं हुआ है।

दो विभागों में टकराव– जहाँ खाद्य विभाग ने अन्य विभागों के कर्मियों को खरीदी केंद्रों में तैनात करने का आदेश दिया है, वहीं कृषि विभाग ने अपने अमले को इससे दूर रखने का फरमान जारी किया है। कृषि सचिव ने कहा है कि कृषि विकास अधिकारी और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी वर्तमान में रबी सीजन 2025-26 के लक्ष्यों की पूर्ति में लगे हैं, इसलिए उन्हें खरीदी संचालन का दायित्व न सौंपा जाए। इससे जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों के सामने दुविधा की स्थिति बन गई है।

किसानों में बढ़ी बेचैनी– धान की फसल कट चुकी है और किसान उसे खलिहानों में सुखा रहे हैं। लेकिन खरीदी प्रक्रिया की अनिश्चितता के कारण उन्हें भारी चिंता है। किसान संगठनों का कहना है कि यदि स्थिति जल्दी नहीं सुधरी, तो धान का नुकसान शुरू हो जाएगा।

किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर ठाकुर ने कहा कि सरकार और समिति कर्मचारियों के बीच टकराव का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। खरीदी में देरी हुई तो नुकसान करोड़ों में होगा।

प्रशासन की ओर से अपील– खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग के अधिकारी हड़तालियों से चर्चा में जुटे हैं। सुहेला धान खरीदी केंद्र प्रभारी तहसीलदार किशोर कुमार वर्मा ने बताया कि बारदाना उपलब्ध है।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

5000 यकृत प्रत्यारोपण पूरे कर भारतीय एवं दक्षिण एशियाई स्वास्थ्यसेवाओं में नए बेंचमार्क स्थापित किए

बिलासपुर । अपोलो लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के तहत 5000 सफल यकृत प्रत्यारोपण (लिवर ट्रांसप्लांट) पूरे कर, भारतीय एवं दक्षिण एशियाई स्वास्थ्यसेवाओं में बड़ी उपलब्धि का जश्न मना रहा है। इसी के साथ अपोलो भारत एवं क्षेत्र में इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला हॉस्पिटल ग्रुप बन गया है। यह उपलब्धि 25 सालों के चिकित्सकीय इनोवेशन, सहानुभूतिपूर्ण देखभाल का नतीजा है। इस अवधि के दौरान ग्रुप 50 से अधिक देशों में अंतिम अवस्था के यकृत रोगों से जूझ रहे लोगों को उम्मीद की किरण देने के मिशन की ओर अग्रसर रहा है।

डॉ प्रताप सी रेड्डी, संस्थापक एवं चेयरमैन, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''यह उपलब्धि भारतीय चिकित्सा जगत में, जो कुछ भी संभव है, उसे नया आयाम देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जब 1998 में हमने पहला प्रत्यारोपण किया, तब मैंने ऐसे भविष्य का सपना देखा था जहां हर ज़रूरतमंद मरीज़ को विश्वस्तरीय इलाज मिल सके, फिर चाहे वह किसी भी भोगौलिक क्षेत्र में रहता हो। आज 5000 यकृत प्रत्यारोपण का आंकड़ा पार करना इसी दृष्टिकोण के साकार होने का प्रमाण है तथा हमारे सहानुभूतिपूर्ण डॉक्टरों एवं स्टाफ के जज़्बे को सम्मान भी है।'

डॉ मधु ससिधर- प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, ''हमें यह देखकर गर्व का अनुभव होता है कि किस तरह इस प्रोग्राम का प्रभाव आंकड़ों के दायरे से कहीं आगे बढ़ गया है- नई पीढ़ी के ट्रांसप्लान्ट सर्जनों के प्रशिक्षण से लेकर आधुनिक अनुसंधान तक, इस प्रोग्राम ने नए क्लिनिकल बेंचमार्क स्थापित किए हैं। ये उपलब्धियां न सिर्फ अपोलो के लिए सम्पूर्ण भारतीय चिकित्सा जगत के लिए भी प्रेरणा एवं महत्वाकांक्षा का स्रोत हैं।'

कई उपलब्धियां सबसे पहले हासिल करने की यात्रा : 15 नवम्बर 1998 को भारत के पहले सफल पीडिएट्रिक लिवर ट्रांसप्लांट के साथ अपोलो हॉस्पिटल्स ने एशिया में लिवर केयर (यकृत की देखभाल) के मायने ही बदल दिए। यह पहला यकृत प्रत्यारोपण 20 माह के बच्चे संजय पर किया गया था, जो बाइलरी एट्रेसिया से पीड़ित था। यह अपने आप में ऐतिहासिक सफलता थी। जानलेवा बीमारी पर जीत हासिल करने के बाद एक डॉक्टर और अब एक पिता बनने की उनकी कहानी अपोलो हेल्थकेयर की क्षमता को दर्शाती है, जो न सिर्फ लोगों बल्कि पूरे परिवारों एवं समुदायों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाने के दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

पिछले दो दशकों में अपोलो के ट्रांसप्लान्ट प्रोग्राम के तहत कई मुश्किल सर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है जैसे एबीओ-इनकम्पेटिबल, कम्बाइन्ड लिवर-किडनी ट्रांसप्लान्ट, व्यस्कों एवं बच्चों- दोनों तरह के मरीज़ों में प्रत्यारोपण- यहां तक कि मात्र 4 महीने और 3.5 किलो के बच्चे में इन मुश्किल प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान की बात करें तो अपोलो लिवर ट्रांसप्लान्ट प्रोग्राम एकमात्र लिवर ट्रांसप्लान्ट प्रोग्राम है जिसे भारत सरकार द्वारा जारी स्मारक डाक टिकट से सम्मानित किया गया है।

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने 25 करोड़ के मोटर एक्सीडेंट इंश्योरेंस धोखाधड़ी का खुलासा किया; FIR दर्ज की गई

भारत की अग्रणी प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने थर्ड पार्टी क्षतिपूर्ति क्लेम के आधार पर 25 करोड़ रुपये के मोटर एक्सीडेंट इंश्योरेंस धोखाधड़ी को सफलतापूर्वक खुलासा किया है. इस धोखाधड़ी को गलत FIR और भ्रामक दस्तावेज़ों के माध्यम से मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (MTT), भुज को सबमिट किया गया था. यह केस भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत साणंद पुलिस स्टेशन में दर्ज एक FIR से शुरू हुआ था. यह शिकायत कथित चालक द्वारा दर्ज कराई गई थी, जिसने दावा किया कि वह महिंद्रा ज़ायलो चला रहा था और अचानक एक कुत्ता सड़क पर सामने आ गया, जिसके कारण वाहन पलट गया. उसने आरोप लगाया कि उसके बगल में बैठे सह-चालक को गंभीर चोटें आईं और उसे साणंद सरकारी हॉस्पिटल में मृत घोषित कर दिया गया. इसके बाद मृतक के कानूनी वारिसों ने भुज में MTC के समक्ष 25 करोड़ रुपये का मुआवज़ा क्लेम दायर किया. बजाज जनरल इंश्योरेंस को कोर्ट के समन प्राप्त हुए और आंतरिक जांच शुरू की गई . कंपनी ने FIR, चार्जशीट, पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट, घटनास्थल और पंचनामा रिपोर्ट्स और वाहन के डॉक्यूमेंट प्राप्त किए. कंपनी को FIR और सहायक डॉक्यूमेंट संदिग्ध लगे और उनसे यह संकेत मिला कि ये धोखाधड़ी करने की तैयारी के साथ किया गया प्रयास था. न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता को समझते हुए, बजाज जनरल इंश्योरेंस ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की. अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दुर्घटना को प्राथमिक रूप से संदिग्ध माना जा रहा है और फिर मामले की दोबारा जांच के लिए CID क्राइम ब्रांच के तहत एक विशेष जांच टीम (SIT) नियुक्त की गई. मोटर एक्सीडेंट क्लेम याचिका में सभी कार्यवाहियों को SIT की रिपोर्ट प्राप्त होने तक स्थगित कर दिया गया. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, CID क्राइम और रेलवे, गुजरात राज्य के नेतृत्व में, SIT ने अपना निष्कर्ष प्रस्तुत किया. जांच में पुष्टि हुई कि असल में वह सह-चालक दुर्घटना के समय अकेले गाड़ी चला रहा था. कथित चालक ने जानबूझकर झूठी FIR दर्ज की, गवाहों को गुमराह किया और धोखाधड़ी भरे दावे का समर्थन करने के लिए जाली सबूत प्रस्तुत किए. वाहन के मालिक ने भी इंश्योरेंस ले रखा था और उन्होंने भी प्रधान सिविल न्यायाधीश, मेहसाणा के समक्ष रेग्युलर डैमेज मिसलेनियस के माध्यम से अपने वाहन के नुकसान का क्लेम करने का प्रयास किया।

हालांकि यह क्लेम पहले ही अस्वीकार किया जा चुका था. सत्यापित सबूतों के आधार पर, बजाज जनरल इंश्योरेंस ने कथित चालक और इंश्योर्ड व्यक्ति दोनों के खिलाफ साणंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की, जिसमें साजिश, सबूतों का निर्माण और धोखाधड़ी का प्रयास का आरोप शामिल था.

परियोजना एवं निर्माण क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जिला रायपुर के जी.ई. रोड पर गुरू तेज बहादुर उद्यान से नेताजी सुभाष चौक/गुरूनानक चौक तक फ्लाई ओव्हर निर्माण कार्य, राजनांदगांव जिले में स्थित मोहरा एनीकट में पेयजल हेतु चौकी एनीकट से मोहरा एनीकट तक पाईप लाईन के माध्यम से जल प्रदाय योजना के निर्माण कार्य और जशपुर जिले के पत्थलगाव में बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिचाई योजना का निर्माण कार्य पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी तरह से हसदेव बांगो परियोजना के अंतर्गत वृहद परियोजना अगमेण्टेशन के अंतर्गत परसाही दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना कार्य और मड़वारानी बैराज निर्माण सह उद्वहन सिंचाई योजना के निर्माण कार्य के प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग में मोहमेला सिरपुर बैराज निर्माण कार्य और चपरीद एनीकट निर्माण के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। गरियाबंद जिले के पैरी परियोजना के अंतर्गत सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय लिंक नहर पाईप लाईन निर्माण कार्य के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। बिलासपुर जिले के खारंग जलाशय योजना की बांयी तट नहर के आवर्धन हेतु पाराघाट व्यपवर्तन योजना से उद्वहन फीडर सिंचाई के निर्माण कार्य के प्रस्ताव के साथ अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा के उपरांत अनुमोदित किए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव कृषि एवं किसान कल्याण श्रीमती शहला निगार, सचिव लोक निर्माण डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव ऊर्जा विभाग श्री रोहित यादव, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, सचिव जल संसाधन विभाग श्री राजेश सुकुमार टोप्पो, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्री भूवनेश यादव, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री भीम सिंह सहित आवास एवं पर्यावरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

राज्यपाल कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

अनुशासित और समय के पाबंद होंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी- राज्यपाल श्री डेका

रायपुर, 12 नवम्बर 2025

राज्यपाल श्री रमेन डेका कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अनुशासित और समय के पाबंद होगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। जीवन में यह पूर्णविराम नहीं है, अपनी यात्रा सभी को पूरी करनी है, गिरकर हार नही मानें, उठे और आगे बढ़े।

राज्यपाल श्री डेका आज नवा रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर, वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक वितरित किए। इस अवसर पर

150 शोधार्थियों को पीएच.डी उपाधि, 1500 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि एवं 2500 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर पौधा भी लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन की दूसरी पारी शुरू हो रही है। आगे का दिन उनका संघर्ष का होगा, अनेक बाधाएं आएंगी। बीते दिनों से सीख लेकर योजना के साथ अपना भविष्य तय करें। किसी भी क्षेत्र में काम करें, आनंद पूर्वक जीवन गुजारें। भौतिक उपलब्धि के साथ-साथ मानसिक शांति भी होनी चाहिए।

गुरू बनिए शिक्षक नहीं, अनुभव और ज्ञान से युवाओं का मार्गदर्शन करें– राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। इसके लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच सतत् चर्चा होनी चाहिए। एन.ई.पी.के बारे में विद्यार्थियों को संपूर्ण जानकारी हो। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक और गुरू में अंतर होता है। गुरू शब्द का अर्थ विस्तृत है। आप गुरू बनिए शिक्षक नहीं, अपने अनुभव और ज्ञान से युवाओं का मार्गदर्शन करें। श्री डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय में सकारात्मक वातावरण रखें। नवाचार पर बहुत कार्य हो रहे हैं। सरकार भी इसके लिए मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि मानव, पशु और प्रकृति के बीच में संतुलन रखना बहुत आवश्यक है। तभी हमारा अस्तित्व कायम रहेगा। हमें सतत् विकास के लिए सोचना है और एक पेड़ मां के नाम लगाना है। श्री डेका ने विद्यार्थियों से कहा कि आप देश के भविष्य हैं, आप के योगदान से भारत 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनेगा।

विद्यार्थी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार में उपयोग करें– राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राष्ट्र के विकास में युवाओं की सबसे बड़ी भागीदारी होती है। विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार के लिए इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत निर्णय लिए गए हैं परिणामस्वरूप उन्हें नए अवसर उपलब्ध होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग केयर+ अब घरेलू उपकरणों के लिए भी रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव और स्मार्ट टीवी की वारंटी भी अब सैमसंग केयर+ में शामिल

गुरुग्राम: भारत की अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने आज अपनी लोकप्रिय सैमसंग केयर+ सेवा का दायरा बढ़ाते हुए घरेलू उपकरणों के लिए एक्सटेंडेड वारंटी प्लान्स की शुरुआत की है। अब ग्राहक रेफ्रिजरेटर से लेकर स्मार्ट टीवी तक सभी प्रमुख घरेलू उपकरणों के लिए इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे। त्योहारी सीज़न के दौरान सैमसंग का यह कदम ग्राहकों को और अधिक भरोसा और सुविधा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। ग्राहक 1 से 4 साल की अवधि के बीच कोई भी प्लान चुन सकते हैं, जिनकी कीमत मात्र 2 रुपये प्रतिदिन से शुरू होती है। सैमसंग केयर+ अब इंडस्ट्री में पहली बार सॉफ्टवेयर अपडेट और स्क्रीन खराबी (बिना किसी फिजिकल डैमेज) को भी कवर करता है। इससे ग्राहकों को सिर्फ हार्डवेयर ही नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर और डिस्प्ले से जुड़ी परेशानियों से भी पूरी सुरक्षा मिलती है। यही वजह है कि सैमसंग केयर+ आज इंडस्ट्री का सबसे व्यापक और भरोसेमंद प्रोटेक्शन प्रोग्राम बन गया है। इस अवसर पर सैमसंग इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट – डिजिटल एप्लायंसेज़, श्री गुफ़रान आलम ने कहा, हम अपने ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सैमसंग केयर+ के ज़रिए अब हम घरेलू उपकरणों के लिए एक्सटेंडेड वारंटी के साथ सॉफ्टवेयर अपडेट और स्क्रीन कवरेज जैसे अनोखे लाभ दे रहे हैं। यह सेवा अब देशभर में सभी चैनलों पर उपलब्ध है, ताकि हर ग्राहक इसे आसानी से अपना सके। सैमसंग केयर+ भरोसे और सुविधा का नया मानक पेश करता है। इस सेवा के तहत ग्राहकों को 13,000 से अधिक सर्टिफाइड इंजीनियर, 2,500+ सर्विस सेंटर, और 100त्न असली सैमसंग पार्ट्स की गारंटी मिलती है, जिससे हर ग्राहक को तेज़, भरोसेमंद और उच्च गुणवत्ता की सेवा सुनिश्चित होती है।

टीवीएस मोटर कंपनी ने छत्तीसगढ़ में टीवीएस ऑर्बिटर पेश किया: नए भारत का स्मार्ट, टिकाऊ, शहरी ईवी आवागमन

रायपुर : दोपहिया और तिपहिया वाहन क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी, टीवीएस मोटर कंपनी (ञ्जङ्कस्रू) ने छत्तीसगढ़ में अपनी नई इलेक्ट्रिक पेशकश, टीवीएस ऑर्बिटर, के लॉन्च की घोषणा की है। रोज़मर्रा के आवागमन को नई परिभाषा देने के लिए डिज़ाइन किया गया, टीवीएस ऑर्बिटर कई सेगमेंट-प्रथम विशेषताओं जैसे 158 किमी आईडीसी रेंज, क्रूज़ कंट्रोल, 34-लीटर बूट स्पेस, हिल होल्ड असिस्ट और उन्नत कनेक्टेड फीचर्स को समेटे हुए है। उद्योग में पहली बार 14 इंच के फ्रंट व्हील के साथ, यह स्कूटर 1,04,440 (एक्स-शोरूम छत्तीसगढ़, पीएम ई-ड्राइव योजना और राज्य सब्सिडी सहित) की आकर्षक कीमत पर बेजोड़ आराम, सुविधा और प्रदर्शन प्रदान करता है। टीवीएस ऑर्बिटर में कनेक्टेड मोबाइल ऐप, वाइज़र के साथ फ्रंट एलईडी हेडलैंप और इनकमिंग कॉल डिस्प्ले वाला रंगीन एलसीडी क्लस्टर जैसे उन्नत फ़ीचर्स हैं, जो ग्राहकों की खुशी और सुविधा को बढ़ाते हैं। इसकी 3.1 द्मङ्खद्ध की बैटरी और बेहतर एयरोडायनामिक दक्षता स्थिर और कुशल प्रदर्शन के साथ लंबी रेंज प्रदान करती है।. लॉन्च के बारे में टीवीएस मोटर कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष – हेड कम्यूटर एंड ईवी बिज़नेस और हेड कॉर्पोरेट ब्रांड एंड मीडिया, श्री अनिरुद्ध हलधर ने कहा, हम ईवी स्पेस में अपने नेतृत्व को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा को विश्वास और नवाचार की मजबूत नींव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन ने की इंफोसिस प्राइज़ 2025 के विजेताओं की घोषणा

रायपुर। इंफोसिस साइंस फाउंडेशन ने आज छह विभिन्न श्रेणियों इकनॉमिक्स, इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर साइंस, ह्यूमेनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़, लाइफसाइंसेज़, मैथमेटिकल साइंसेज़, एवं फिजिकल साइंसेज़ में इंफोसिस प्राइज़ 2025 के विजेताओं की घोषणा की है। इंफोसिस प्राइज़ ने अपनी स्थापना के समय से ही ऐसे व्यक्तियों/विद्वानों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया है जिनके शोध तथा विद्वता ने भारत को उल्लेखनीय रूप से प्रभावित किया है। प्रत्येक श्रेणी में पुरस्कार के तौर पर एक स्वर्ण पदक, एक प्रशस्ति पत्र, और यूएसडी 100,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। श्री के दिनेश, अध्यक्ष, ट्रस्टी मंडल, इंफोसिस साइंस फाउंडेशन ने कहा मैं इंफोसिस प्राइज़ 2025 के विजेताओं को बधाई देता हूं जिनकी उपलब्धियां शोध, विज्ञान तथा समाज के बीच परस्पर और महत्वपूर्ण संबंध को दर्शाती हैं, और साथ ही, अगली पीढ़ी के इनोवेटर्स के लिए भी प्रेरणा बनती हैं। इंफोसिस प्राइज़ ने हमारे इस भरोसे को और पुख्ता बनाया है कि विज्ञान और शोध ही मानव प्रगति के प्रमुख आधार स्तंभ हैं। यह इनोवेशन को प्रोत्साहित करने वाली संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न विषयों की समझ भी बढ़ाता है। इंफोसिस प्राइज़ 2025 के लिए विद्वानों का चयन निर्णायकों के अंतरराष्ट्रीय पैनल द्वारा किया गया जिसमें जाने माने स्कॉलर और एक्सपर्ट शामिल थे। इंफोसिस साइंस फाउंडेशन आरंभ से ही ऐसे उल्लेखनीय शोधकार्यों एवं विद्वता को मान्यता प्रदान करता रहा है जिन्होंने मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित किया हो। 2024 के बाद से, पुरस्कार का ज़ोर 40 वर्ष की उम्र से कम आयुवर्ग के शोधकर्ताओं को सम्मानित करने पर रहा है, ताकि असाधारण प्रतिभाओं की शीघ्र पहचान हो सके।

कलर्स प्रस्तुत कर रहा है 'तू जुलियट जट्ट दी' – एक नई पीढ़ी की कहानी, जहाँ लिखे जाएंगे प्यार के नए नियम!

आमतौर पर कॉलेज वो जगह होती है जहाँ दोस्ती, क्रश, कैंटीन की मस्ती और देर रात के इज़हार से प्रेम कहानियाँ शुरू होती हैं। लेकिन कलर्स का नया शो 'तू जुलियट जट्ट दी' इस कहानी को पूरी तरह उलट देता है — यहाँ पहले शादी होती है... फिर कॉलेज शुरू होता है... और उसके बाद प्यार होता है! यह नई पीढ़ी की कैंपस रोमांस कहानी है, जहाँ दो बिलकुल अलग लोग सबसे अप्रत्याशित तरीके से टकराते हैं। चंडीगढ़ प्राइम यूनिवर्सिटी की रौनक भरी पृष्ठभूमि में सेट, यह कहानी केमिस्ट्री, कंफ्यूज़न और चार्म से भरी है — जो 'नेवर' को 'फॉरेवर' में बदल देती है। मिलिए नवाब (सैयद रज़ा) से — एक अमीर, बेफिक्र जट्ट जो अपनी शर्तों पर जीता है — निडर, स्पॉन्टेनियस और कमिटमेंट से कोसों दूर। हीर (जसमीत कौर) उससे बिल्कुल उलट है — महत्वाकांक्षी, अनुशासित, व्यावहारिक और अपनी माँ के लिए बेहतर भविष्य बनाने को दृढ़ संकल्पित। उसके लिए प्यार कोई प्राथमिकता नहीं है — बल्कि यह उसके प्लान में ही नहीं था। लेकिन हालात कुछ ऐसे बनते हैं कि कॉलेज शुरू होने से पहले ही उनकी शादी हो जाती है!

संपादकीय

भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा

फाउंडेशनल एग्रीमेंट्स के साथ भारत अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो अपेक्षा थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील बनेगा। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा। भारत- अमेरिका के बीच रक्षा संबंध और गहरा करने के लिए दस साल के फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'इसका मकसद रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण एवं नीतिगत दिशा प्रदान करना है।' अगर ऐसा सचमुच हो सका, तो भारत के आश्वस्त रहने के लिए इससे एक बड़ी वजह मिलेगी। मगर ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान भारत को जो तजुर्बा हुआ, उसके मद्देनजर यह अगर बहुत बड़ा नजर जाता है। 2016 से 2020 के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और अमेरिका में चार महत्त्वपूर्ण समझौते हुए थे, जिन्हें फाउंडेशनल (मूलभूत) करार के रूप में जाना जाता है। लॉजिस्टिक्स आदान-प्रदान मेमॉरेंडम समझौता, संचार अनुकूलता एवं सुरक्षा करार, बुनियादी आदान- प्रदान एवं सहयोग समझौता; तथा आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा का समझौता होने के बाद आम समझ बनी कि भारत अब अमेरिका की रक्षा धुरी से जुड़ गया है। भारत चूंकि अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील एवं सक्रिय बनेगा। लेकिन जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और उसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान स्थित दहशतगर्द ठिकानों पर हमले किए, तो भारत की उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा। भारत की सुरक्षा के लिए दूसरी बड़ी चिंता चीन है। मगर अब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप चीन के साथ अमेरिकी संबंध को जी-2 कह रहे हैं। यानी ट्रंप वैश्विक शक्ति संतुलन को द्वि-ध्रुवीय नजरिए से देख रहे हैं। स्वाभाविक है कि उनके इस नजरिए ने भारत में चिंता पैदा की है। साथ ही क्वॉड जैसे समूह की प्रासंगिकता पर इससे सवाल उठ खड़े हुए हैं, जिसे भारत में चीन को नियंत्रित रखने के अमेरिकी उपक्रम के रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में यह अंदेशा लाजिमी है कि रक्षा सहयोग में भारत की भूमिका कहीं सिर्फ अमेरिकी हितों की पूर्ति करने और दोयम दर्जे के अमेरिकी रक्षा उपकरणों के खरीदार के रूप में ना रह जाए। यही कारण है कि फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत की ताजा खबर से भारत में कम ही लोग आश्वस्त हुए हैं।

एआई को लेकर अद्भुत अचम्भे में पूरी दुनिया

अजीत द्विवेदी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर पूरी दुनिया अद्भुत अचम्भे में है। जीवन के हर क्षेत्र में इसके महत्व और इसकी जरुरत को प्रमाणित करने के दावे किए जा रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है। एआई के कारण बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ की सैलरी बढ़ रही है और कंपनियों के शेयरों की कीमत में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के वेतन में इस साल 152 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद उनका वेतन 847 करोड़ रुपए के करीब हो गया है। एक साल में उनका वेतन 22 फीसदी बढ़ा है और ऐसा एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता की वजह से हुआ। एआई तकनीक में उतरने की वजह से माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों में बढ़ोतरी हुई, जिसका लाभ कंपनी ने सीईओ सत्य नडेला को भी दिया। ऐसा सिर्फ एक कंपनी या एक सीईओ के साथ नहीं हुआ है। एआई की भेड़चाल में सारी दुनिया शामिल है और सब कमाई कर रहे हैं। दूसरी ओर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बाजार की खबरों के हवाले से यह आशंका जताई है कि एआई एक लाख 80 हजार नौकरियां छीन सकता है। उनकी कंपनी ने 13 हजार लोगों की छंटनी की है और अब अमेजन ने कहा है कि वह एमबॉट्स तैनात करने जा रहा है, जिससे तत्काल 18 हजार लोगों की नौकरियां जाएंगी। एक तरफ एआई से चुनिंदा लोगों की कमाई बढ़ रही हैं और दूसरी ओर लाखों लोगों की नौकरियां जा रही हैं। यह एक विरोधाभास है, जिससे हर नई तकनीक को गुजरना होता है। लेकिन हम इस विरोधाभास की चर्चा नहीं कर रहे हैं। हम एआई की उन खामियों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिनके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। टुकड़ों में खबरें आती हैं और फिर कहीं गायब हो जाती हैं। देश के जाने माने पत्रकार शेखर गुप्ता ने अपने एक लेख में इसके झूठ का पर्दाफाश किया है। उन्होंने बताया है कि एआई कितना झूठ बोल सकता है या कितनी गलत जानकारी आपके सामने परोस सकता है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऑपरेशन सिंदूर के लिए घोषित वीरता पुरस्कारों के बारे में एआई टूल ग्रोक से जानकारी मांगी थी। ग्रोक ने उन्हें ऐसी ऐसी जानकारी दी, जिसका सचाई से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। ग्रोक ने वीरता पुरस्कार पाने वालों का ऐसा प्रशस्ति गान किया, जिसकी मिसाल नहीं दी जा सकती है। इतना ही नहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई के दौरान के ऐसे ऐसे कारनामे बताए, जिनका हकीकत से कोई लेना देना नहीं था, लेकिन जिन्हें युद्ध के समय एक खास मकसद से व्हाट्सऐप के जरिए प्रचारित किया गया था। यानी जिस झूठ का प्रचार, प्रोपेगेंडा किसी खास मकसद से, किसी खास समूह द्वारा किया जाता है, एआई टूल उसे सची खबर बना कर आपके सामने पेश कर सकता है। सोचें, कितना आसान है अपने झूठ के प्रचार के लिए एआई टूल्स को इस्तेमाल कर लेना! कहानी इतने पर खत्म नहीं होती है। शेखर गुप्ता ने जब सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना का लिंक खोल लिया और सारी जानकारी उनके सामने आ गई तो उन्होंने ग्रोक से जवाब तलब किया तो उसने गलती मानी और कम से कम एक मामले में उनको सही जानकारी उपलब्ध कराई। इसका मतलब है कि एआई टूल सही जानकारी दे सकता है लेकिन उसको अगर इस्तेमाल किया जाए तो वह झूठ और प्रोपेगेंडा को भी सची खबर बना कर प्रचारित और प्रसारित कर सकता है। ग्रोक के साथ अपने अनुभव में शेखर गुप्ता के तीन निष्कर्ष हैं। पहला, 'एआई तेज है, बल्कि कुछ ज्यादा ही तेजतर्रार है।

बिहार चुनाव से पहले राहुल का 'वोट चोरी' दांव: क्या जेन-Z को भड़काने की साजिश?

उमेश चतुर्वेदी

बिहार के मतदान के ठीक पहले राहुल गांधी ने नया हाइड्रोजन बम फोड़ते हुए उम्मीद की होगी कि 'वोट चोरी' के आरोप का यह नया संस्करण राज्य की चुनावी राजनीति में भूचाल ला देगा। उनके समर्थक और सिपहसालार दावा करने लगे हैं कि राहुल के इस बम विस्फोट ने बिहार के वोटरों की आंखें खोल दी हैं। इस जानकारी के बाद मतदाता मौजूदा मोदी और नीतीश सरकार के साथ ही बीजेपी से सावधान हो गया है। सोशल मीडिया पर यहां तक दावे किए जा रहे हैं कि राहुल के इस हमले से बिहार के मतदाताओं के बड़े वर्ग का रुख महागठबंधन की ओर हो गया है।

इस मसले पर चर्चा से पहले राहुल के आरोपों की मीमांसा ज्यादा प्रासंगिक हो उठती है। राहुल के आरोपों के जवाब में हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी और चुनाव आयोग ने जो जवाब दिया है, उस पर भी गौर किया जाना चाहिए। आयोग ने उल्टे सवाल ही पूछ लिया है। उसका कहना कि एक से अधिक नामों से बचने के लिए मतदाता सूची संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों यानी बीएलए ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई? अगर ये फर्जी मतदाता थे भी, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि उन्होंने भाजपा को ही वोट दिए?

राहुल ने दावा किया है कि पिछले हरियाणा विधानसभा चुनावों में डाला गया हर आठवां वोट फर्जी था। उनका कहना है कि राज्य में एक लाख चौबीस हज़ार से अधिक फर्जी तस्वीरों वाले वोटर हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 'एक ही घर में 501 वोटरों के नाम दर्ज हैं और वह घर भी सिर्फ़कागजों पर है।' राहुल के अनुसार, एक बुजुर्ग महिला का नाम मतदाता सूची में 220 बार दर्ज है।

राहुल ने इन आरोपों के जरिए हरियाणा के चुनाव नतीजों को लेकर समर्थकों के एक वर्ग को भ्रमित करने में सफल भी रहे हैं। ऐसी कोशिश वे पहले कर्नाटक और महाराष्ट्र के चुनावों के संदर्भ ऐसे ही वोट 'चोरी' के आरोप लगाकर कर चुके हैं। लेकिन राहुल के आरोपों में बहुत झोल है। उन्होंने जिस मतदाता सूची का उन्होंने ज़िक्र किया है, वह मुलाना विधानसभा क्षेत्र की है। दिलचस्प यह है कि राहुल के आरोपों के लिहाज से यहां बीजेपी को जीत मिलनी चाहिए, क्योंकि उनके हिसाब से फर्जी वोटरों ने बीजेपी को ही वोट डाला है। लेकिन मुलाना से कांग्रेस का ही उम्मीदवार जीता है। ऐसे में क्या राहुल के आरोप सवालों के घेरे में नहीं आ जाते? दिलचस्प यह है कि राहुल एग्जिट पोल को सही ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हरियाणा चुनाव के बाद पांच प्रमुख एक्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस भारी बहुमत से जीत रही थी। लेकिन नतीजे उलटे रहे। राहुल का कहना था कि इतिहास में पहली बार हरियाणा में कांग्रेस को पोस्टल बैलेट में 73 सीटों पर जीत मिली, लेकिन वोट चोरी से नतीजे बदल गए। दिलचस्प यह है कि जब यही एक्जिट पोल 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी की भारी जीत दिखा रहे थे, तब राहुल ने उन्हें भ्रम बताते हुए खारिज कर दिया था। ऐसा कैसे हो सकता है कि बीजेपी की जीत दिखाने वाला एक्जिट पोल भ्रमित करने वाला हो और जब वही कांग्रेस को जीतता दिखाए तो वह सही। यहां यह भी ध्यान देना होगा कि हरियाणा में सिर्फ 0.57 प्रतिशत मतदाताओं ने ही बैलेट और डाक मत पत्र का इस्तेमाल किया। इतने कम मतदाताओं की राय को राहुल जैसा महत्वपूर्ण राजनेता महत्व कैसे दे सकता है?

राहुल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कुल मतों के अंतर के बहाने से भी कांग्रेस की हार को वोट 'चोरी' से जोड़ दिया है। उनका कहना है कि बीजेपी और कांग्रेस में सिर्फ 1.18 लाख वोटों का अंतर रहा। लेकिन कांग्रेस ने आठ सीटें 22,779 वोटों के अंतर से गंवाईं। लेकिन ऐसा करते वक्त वे भूल गए कि 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की तुलना में बीजेपी को 47,827 वोट ज्यादा मिले थे, लेकिन उसकी सीटें कम रह गई थीं। हरियाणा में तो सबसे कम अंतर वाली 10 सीटों में कांग्रेस को 6 पर जीत मिली। लेकिन राहुल इसे नहीं समझ पा रहे हैं। राहुल के मुताबिक, एक महिला ने राई विधानसभा क्षेत्र के 10 अलग-अलग मतदान केंद्रों पर पर 22 बार मतदान किया। कांग्रेस ने इसे सेंट्रल ऑपरेशन कहा। गौरतलब है कि मतदाता सूची में एक ही नाम बार-बार मिलने से यह साबित नहीं होता कि वही व्यक्ति कई बार मतदान करने गया। राहुल के सलाहकारों को उन्हें बताना चाहिए कि मतदाता सूचियों में डुप्लीकेट नाम अक्सर पलायन, टाइपिंग की गलती या फिर पहले के रिकॉर्ड के अपडेट न होने की वजह से रह जाते हैं। चुनाव आयोग इन्हीं वजहों से विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर जैसी प्रक्रिया अपना रहा है, ताकि त्रुटियों को सुधारा जा सके। लेकिन राहुल इस प्रक्रिया का भी विरोध कर रहे हैं और डुप्लिकेट नामों को लेकर सवाल भी उठा रहे हैं। वैसे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मतदाता सूची में डुप्लिकेट नाम होना या ऐसी अन्य गलती 'वोट चोरी' की वजह नहीं होती। अगर इसके जरिए फर्जी मतदान होता भी है तो सवाल यह है कि मतदान केंद्र पर मौजूद कांग्रेस के एजेंटों ने सवाल क्यों नहीं उठाए।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अभी राहुल के आरोपों पर गंभीर और विस्तृत जवाब की तैयारी में हैं। लेकिन यह भी सच है कि चुनाव आयोग ने 2 अगस्त 2024 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी किया था, जिसके बाद 4.16 लाख दावे और आपत्तियां आईं और उनका सत्यापन किया गया। इसके बाद 27 अगस्त 2024 को अंतिम मतदाता सूची को प्रकाशित किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में अगर विसंगतियां थीं तो सवाल यह है कि कांग्रेस के बीएलए ने सवाल क्यों नहीं उठाए। चुनाव आयोग ने 16 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची सभी दलों और उम्मीदवारों को दोबारा दी थी, इसके बाद हुए चुनावों में लगभग 87 हजार मतदान केंद्र एजेंटों ने 20 हजार मतदान केंद्रों की निगरानी की। दिलचस्प यह है कि मतगणना के दौरान सिर्फ पांच शिकायतें ही मिली हैं। उनमें से एक भी कांग्रेस की नहीं है, यानी कांग्रेस और उसके एजेंट उस वक्त की प्रक्रिया से संतुष्ट थे।

राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कई नामों के साथ ब्राज़ील की मॉडल की तस्वीरें लगाई गई है। हालांकि कुछ मीडिया संस्थानों की जांच में पता चला है कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए मतदाता पहचान पत्र नंबर और पहचान पत्र पूरी तरह वैध है और उन पर असल मतदाता की फोटो है। तो क्या यह मान लिया जाए कि राहुल की टीम ने उनसे गलत बयानी की या फिर जानबूझकर फर्जी फोटो दिखाकर देश को गुमराह किया गया? नेपाल में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में कुछ लोग जेन-जी को खूब उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे राहुल भी उन्हीं लोगों में शामिल हो गए हैं? क्योंकि उन्होंने भी इस हाइड्रोजन बम फोड़ते वक्त ना सिर्फदेश के युवाओं, बल्कि जेन-जी को उकसाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है, मैं चाहता हूँ कि जेन-जी इसे गंभीरता से ले, क्योंकि तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है। बिहार चुनाव से ऐन पहले ऐसे बयान के अर्थ तो निकाले ही जाएंगे।

वैसे तो बीजेपी विरोधी तबका राहुल के बयानों को ही पवित्र धार्मिक पुस्तक की तरह स्वीकार कर रहा है। लेकिन जिस तरह से उनके दावों की पोल खुली है, उससे शंका होना स्वाभाविक है कि वे भी उन लोगों के साथ जाने या अनजाने खड़े हो रहे हैं, जो युवाओं को चुनाव आयोग और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास से भरने की कोशिश में हैं। खतरा यह है कि नौजवान ऐसी बातों से जल्दी प्रभावित होते हैं। अतीत के चुनावों में राहुल राफेल घोटाला, चौकीदार चोर है, जैसे असफल अभियान चला चुके हैं। तो क्या यह मान लिया जाय कि 'वोट चोरी' के आरोपों के जरिए एक बार फिर वे ऐसे ही अभियान पर हैं? विचार मतदाताओं को करना है।

नक्शा: विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

नक्शा आपकी भूमि की डिजिटल पहचान का प्रतीक

शिवराज सिंह चौहान

जब भारत एक समावेशी और विकसित भविष्य की कल्पना करता है, तो इसका सबसे मज़बूत आधार-स्तंभ भूमि है। चाहे घर हो, खेत हो, दुकान हो या स्मार्ट सिटी का सपना हो - विकास का प्रत्येक रूप भूमि पर अवस्थित होता है। हालाँकि, सच्चाई यह है कि वर्षों से हमारे भू-अभिलेख अधूरे, भ्रामक और अक्सर विवादों में उलझे रहे हैं। परिणामस्वरूप, आम नागरिकों को संपत्ति खरीदने, ज़मीन विरासत में प्राप्त करने, ऋण प्राप्त करने या सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

इन दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने नक्शा (राष्ट्रीय शहरी निवास-स्थल भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह भारत में भूमि प्रबंधन, प्रशासन और भूमि-रिकॉर्ड रख-रखाव में बदलाव लाने की एक पहल है। यह कार्यक्रम एक पारदर्शी, डिजिटल और सत्यापित भू-अभिलेख प्रणाली का निर्माण कर रहा है, जो न केवल नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगी, बल्कि कस्बों और शहरों के विकास को भी गति प्रदान करेगी।

भारत में, भूमि पंजीकरण लंबे समय से एक जटिल व दस्तावेज-आधारित प्रक्रिया रही है। बिक्री विलेख, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, पटवारी सत्यापन और तहसील स्तर पर प्रस्तुतियाँ ङ्क ये सभी नागरिकों के लिए पूरी प्रणाली को बोझिल बना देती थीं। पुराने रजिस्टर और फाइलों में न केवल त्रुटियां मौजूद थीं, बल्कि इनमें आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती थी, जो कई विवादों का मूल कारण होता है। अस्पष्ट संपत्ति अभिलेखों की वजह से बैंकों से ऋण प्राप्त करने की संभावना कम हो गयी थी। उत्तराधिकार या दाखिल-खारिज की प्रक्रिया अक्सर वर्षों तक अदालतों में अटकी रहती थी। गलत माप, अस्पष्ट सीमाएँ और स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप ने इन समस्याओं को और गंभीर बना दिया। यही कारण है कि लाखों भारतीयों के लिए, सुरक्षा के स्रोत के रूप में भूमि का महत्त्व कम होता गया और यह जोखिम का प्रमुख स्रोत बन गई।

नक्शाः डिजिटल पारदर्शिता की ओर कदम

नक्शा कार्यक्रम, सटीक और डिजिटल भू-रिकॉर्ड तैयार करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण, जीएनएसएस मानचित्रण और जीआईएस उपकरण जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाता है। इस पहल के तहत, नागरिकों को 'योरप्रो' (शहरी संपत्ति स्वामित्व रिकॉर्ड) कार्ड मिलता है, जो स्वामित्व का एक डिजिटल प्रमाण है और संपत्ति के लेन-देन को आसान बनाता है। सरकार 'योरप्रो' कार्यक्रम को समर्थन दे रही है। नक्शा के साथ, लोगों को अब स्वामित्व की पुष्टि के लिए दस्तावेजों या बिचौलियों पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है। इससे ऋण प्राप्त करने, बिक्री पूरी करने, उत्तराधिकार प्राप्त करने और विवादों का निपटारा करने की प्रक्रिया तेज़ और अधिक पारदर्शी हो गयी है। अंततः, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है - यह नागरिक सशक्तिकरण, समानता और भू-स्वामित्व में कानूनी आश्वासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम मुख्य रूप से उन नागरिकों को लाभान्वित करता है, जो लंबे समय से अधूरे या अप्रचलित भू-दस्तावेजों पर निर्भर रहे हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय परिषदों के पास अब स्वच्छ, सटीक भू-स्थानिक डेटा तक पहुँच की सुविधा है, जिससे बेहतर निर्णय लेना और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। नागरिक आसानी से ऑनलाइन प्रारूप मानचित्र देख सकते हैं और आपत्तियाँ दर्ज कर सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है। यह डिजिटल प्रणाली कराधान को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाती है, साथ ही शहरी नीति-निर्माण और अवसंरचना डिज़ाइन की सटीकता और गति में सुधार करती है। संक्षेप में, जो भू-रिकॉर्ड कभी धूल भरे रजिस्टरों में केवल हस्तलिखित प्रविष्टियों के रूप में मौजूद था, वह अब रंगीन, इंटरैक्टिव और पारदर्शी डिजिटल मानचित्रों में विकसित हो गया है। यह आधुनिक, डेटा-संचालित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम का प्रभाव व्यक्तिगत स्वामित्व और प्रशासनिक दक्षता से कहीं आगे तक फैला हुआ है और यह आपदा प्रबंधन और शहरी नीति-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभर रहा है। अवस्थिति की ऊँचाई का विस्तृत डेटा प्रदान करके, यह लोगों को बाढ़-जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सक्षम बनाता है, जबकि चक्रवात, भूकंप या आग की स्थिति में, यह बिना किसी देरी के बचाव और राहत कार्यों को शुरू करने की सुविधा देता है। सत्यापित डिजिटल स्वामित्व रिकॉर्ड यह भी सुनिश्चित करते हैं कि मुआवजा और सहायता सही लाभार्थियों तक शीघ्रता से पहुँचे। इससे आपदा के बाद, पूर्वस्थिति को बहाल करने की प्रक्रिया अधिक कुशल हो जाती है। इसके अलावा, नक्शा संतुलित और सतत अवसंरचना विकास को बढ़ावा देकर दीर्घकालिक शहरी सुदृढ़ता का समर्थन करता है।

अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और दिव्यांगजनों जैसे कमजोर समूहों के लिए, नक्शा सुरक्षा और सुलभता प्रदान करता है—उन्हें संपत्ति के रिकॉर्ड ऑनलाइन देखने और सत्यापित करने की सुविधा देता है, किसी भी धोखाधड़ी और अतिक्रमण के जोखिम को कम करता है, और सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाए बिना आसान पहुँच सुनिश्चित करता है। संक्षेप में, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है, बल्कि दुनिया भर के उन नागरिकों के लिए विश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जिनकी भारत की भूमि और इसके भविष्य में हिस्सेदारी है।

विकसित भारत की आधारशिला

भारतीय इतिहास में, भूमि विवादों ने अक्सर असमानता, संघर्ष और विलंब को जन्म दिया है—लेकिन नक्शा कार्यक्रम भूमि प्रशासन प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाकर इस विरासत को बदल रहा है। स्मार्ट शहर, पीएम गति शक्ति और पीएम स्वनिधि जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ एकीकरण के जरिये, नक्शा भारत के विकास-केंद्रित भविष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। यह न केवल स्थानीय शासन को मज़बूत करता है, बल्कि नागरिक भागीदारी, सशक्तिकरण और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है, जिससे अधिक निवेश और रोज़गार सृजन का मार्ग प्रशस्त होता है। आख़िरकार, भूमि सिर्फ़ एक भौतिक संपत्ति नहीं है—यह प्रत्येक भारतीय नागरिक की पहचान और विरासत है। दशकों से, यह विरासत अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के आवरण से ढँकी हुई थी, लेकिन नक्शा विश्वास, पारदर्शिता और समानता का अमृत काल प्रस्तुत कर रहा है। सुरक्षित, सत्यापित डिजिटल भूमि रिकॉर्ड के साथ, अब नागरिकों के पास सचमुच अपने सपनों की कुंजी है—जो भारत को एक अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और विकसित भविष्य की ओर ले जा रही है।

(लेखक केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री हैं)

खुल गई हर्षवर्धन की किस्मत, एक दीवाने की दीवानियत के बाद मिली इस सुपरहिट फ्रैंचाइजी में एंट्री

अभिनेता हर्षवर्धन राणे, जिनकी हालिया फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, अब फोर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं। फिल्म में एंट्री के बाद हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम के लिए एक खास बात लिखी है।

हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में आशीर्वाद लेते हुए एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि जॉन अब्राहम ने उन्हें फोर्स फ्रैंचाइजी को आगे ले जाने के लिए चुना है। हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम और ऊपरवाले का शुक्रिया अदा किया और कहा कि वे शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 में शुरू होगी।

मिलाप जावेरी के लिए किया था हालिया पोस्ट

इससे पहले, हर्षवर्धन ने निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने दीवानियत बाय मिलाप जावेरी नाम की डायरी के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा कि अगर मिलाप उन्हें नई स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वे बिना सोचे साइन कर लेंगे।

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के बारे में एक दीवाने की दीवानियत फिल्म देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले बनी है। इस फिल्म में हर्षवर्धन के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 21 अक्तूबर को दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी। यह एक राजनेता विक्रमादित्य और अभिनेत्री अदा के रिश्ते की कहानी है। फिल्म में शाद रंधावा, सचिन खेडेकर, अनंत नारायण महादेवन और राजेश खेड़ा भी हैं। इसके बाद, हर्षवर्धन ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे, जिसमें सादिया खतीब और खलनायक के रूप में करणवीर मेहरा भी होंगे।

जन्नत जुबैर ने की ब्यूटी फिल्टर ऐप्स की आलोचना

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपने पॉडकास्ट शो में टीवी और सोशल मीडिया स्टार जन्नत जुबैर को बुलाया। इस एपिसोड में दोनों अभिनेत्रियों ने हल्की-फुल्की बातों से लेकर कुछ गंभीर विषय, जैसे डिजिटल दुनिया, सोशल मीडिया का दबाव और आज की पीढ़ी पर उसके असर को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए। जहां सोहा ने सवाल बड़ी सादगी से पूछे, वहीं जन्नत ने भी समझदारी से उन सवालों का जवाब दिया।

सोहा ने जन्नत से डिजिटल दुनिया से जुड़ा सवाल पूछा कि ऐसा कौन-सा ऐप है जिसे वह चाहेंगी कि यह कभी बना ही न होता। इस पर जन्नत ने बिना किसी झिझक के कहा कि वे चाहेंगी कि रैंडम ब्यूटी फिल्टर ऐप्स कभी न बने होते। उन्होंने बताया, ऐसे ऐप्स युवाओं में अवास्तविक सुंदरता की परिभाषा गढ़ते हैं और यह मानसिक रूप से खतरनाक हो सकता है। आज की युवा पीढ़ी इन फिल्टर्स के चक्कर में खुद की तुलना नकली सुंदरता से करने लगती है, जिससे आत्मविश्वास पर बुरा असर पड़ता है।

जन्नत ने कहा, फोटो को थोड़ा-बहुत एडिट करना बुरा नहीं है। अगर किसी तस्वीर में कोई दाग-धब्बा हो या चेहरा थोड़ा थका हुआ दिखे तो हल्की एडिटिंग की जा सकती है। लेकिन जब लोग अपनी पूरी शक्ल बदल देते हैं, होंठों को बड़ा, आंखों को चमकदार, जबड़े को पतला और चेहरा बिल्कुल अलग बना लेते हैं, तो यह सही नहीं है। ऐसा करने से न केवल झूठी सुंदरता का भ्रम पैदा होता है, बल्कि लोग असलियत से दूर जाने लगते हैं। जन्नत ने उदाहरण देते हुए बताया कि कई बार वह लोगों से मिली हैं, जिनका असली चेहरा और उनके सोशल मीडिया पर डाले गए फोटो में बहुत फर्क था। उन्होंने कहा, इन ऐप्स की वजह से अब तस्वीरों में असली चेहरा पहचानना मुश्किल हो गया है। ऐसे फिल्टर न सिर्फ चेहरे बल्कि शरीर की बनावट तक को बदल देते हैं, कमर पतली, गालों में डिंपल और आंखों में चमक जोड़ देते हैं। यह ट्रेंड वाकई डराने वाला है क्योंकि इससे लोग अपनी वास्तविक पहचान से असंतुष्ट होने लगते हैं।

शो में सोहा ने आगे जन्नत से एक और दिलचस्प सवाल पूछा, 50 मिलियन से ज्यादा लोग आपको सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं, क्या कभी आपको लगातार कंटेंट बनाने का दबाव महसूस होता है? इस सवाल पर जन्नत ने बहुत सहजता से जवाब दिया। उन्होंने कहा, मैं सोशल मीडिया को किसी रणनीति या मजबूरी के तौर पर नहीं लेती। मेरा जब मन करता है, तब ही पोस्ट करती हूं। कई बार ऐसा होता है कि मैं दस दिनों तक कुछ भी पोस्ट नहीं करती, क्योंकि मन ही नहीं होता। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी मानसिक शांति है।

उन्होंने आगे बताया कि सोशल मीडिया पर हमेशा सकारात्मकता नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि कई बार लोग उन्हें या उनके परिवार को ट्रोल करते हैं। उनके करियर को लेकर सवाल उठाते हैं। लेकिन, इसके बावजूद वह कभी खुद पर शक नहीं करतीं। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा पता होता है कि मैं क्या कर रही हूं और क्यों कर रही हूं।

जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा से अभिनय सफर की शुरुआत की थी। उसके बाद तू आशिकी जैसे शो में उन्होंने लीड रोल निभाया और दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज की दुनिया में कदम रखा और आज वह भारत की सफल युवा कलाकारों में गिनी जाती हैं।

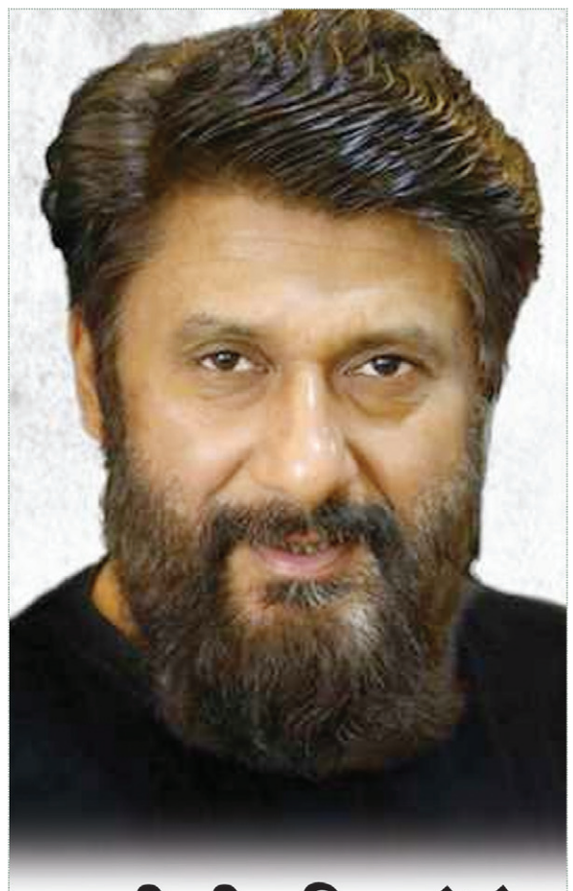

अपनी तीन फिल्मों के निर्माण में मेरे अनुभव काफी पीड़ादायक रहे

हाल ही में रिलीज हुई द बंगाल फाइल्स के बहुचर्चित फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने अपनी पिछली तीन फिल्मों के निर्माण के दौरान हुए पीड़ादायक अनुभवों को आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को पत्रकारों से रू-ब-रू होते हुए सांझा किया। उन्होंने बताया कि मजे की बात ये है कि फाइल्स-त्रयी ताशकंद फाइल्स, कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स फिल्मों का विरोध करने वाले ही ये फ़िल्में देखने सबसे पहले पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब वे कुछ समय तक आराम करना चाहते हैं और इसके बाद वे महाभारत पर आधारित थीम पर काम करेंगे। इस अवसर पर अग्निहोत्री ने बताया कि वे आज अपनी फिल्म द बंगाल फाइल्स की पहली बार ट्राईसिटी चंडीगढ़ में स्क्रीनिंग के लिए आए हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान उनके साथ टीम सिने इंडिया से एडवोकेट आरती शर्मा और अनुपिंदर सिंह लाली मुलतानी भी मौजूद रहे। अग्निहोत्री ने कहा कि वे भी चाहते हैं कि पहले की तरह चण्डीगढ़ आकर रोज गार्डन-रॉक गार्डन में घूमे लेकिन वाई श्रेणी के सुरक्षा घेरे की वजह से अब वे कैद में हैं। जीवन जेल जैसा बन गया है, लेकिन भीतर का एक्टिविस्ट जीवित है। वह काम करता रहेगा। वे कुछ देर आराम चाहते हैं व उसके बाद फिर से सक्रियता से काम में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से मानसिक थकान और फतवों के अलावा हमलों की पीड़ा झेल रहे हैं, लेकिन भीतर के एक्टिविस्ट ने उन्हें आराम नहीं करने दिया, नतीजन काफी कुछ सहना पड़ा। तरह-तरह की धमकियां मिली जिससे उनकी मानसिक शांति भंग हुई। यहां तक कि उनका दायां कंधा भी एक हमले में टूट गया। यानी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का दर्द झेलना पड़ा, परंतु इससे उनका फिल्म बनाने का जुनून कम नहीं हुआ। इस सबका का असर यह रहा कि यह पीड़ा और विरोध उन पर हावी हो गया और लोगों ने उन्हें अक्सर काले कपड़ों में देखा। आज लंबे अर्से के बाद वे काले कपडे छोड़ सफेद कपड़ों में सबके सामने आए हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी को अपना आदर्श बताया व कहा कि वे श्रीकृष्ण और अष्टावक्र जी की गीता से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि जिस श्रेणी की फिल्में वह बनाते हैं, उन पर काफी रिसर्च होती है। हालांकि लव स्टोरी जैसे विषयों पर फिल्में पलक झलकते हुए भी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले वह भी खेल और लव स्टोरी पर आधारित फिल्में बना चुकें हैं।

हूमा कुरैशी ने फिल्म टॉक्सिक - ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को कहा शानदार और अनोखी कहानी

हूमा ने बताया कि इस भव्य फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने कहा, ये बहुत बड़े पैमाने पर बनी फिल्म है और यश जैसे सुपरस्टार और गीता मोहनदास जैसी शानदार निर्देशक के साथ काम करना बहुत प्रेरणादायक अनुभव रहा। दोनों ने मिलकर कुछ इतना खूबसूरत बनाया है जो सच में इंतज़ार के काबिल है। हूमा ने आगे कहा कि वो दक्षिण भारतीय फिल्मों में और काम करना चाहती हैं, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं आया जो उन्हें बहुत उत्साहित करे। दिल तो चाहता है दक्षिण में ज़्यादा काम करने का, पर अभी तक वैसा धमाकेदार ऑफर नहीं मिला, उन्होंने मुस्कराते हुए कहा। फिल्म टॉक्सिक की रिलीज़ का समय भी बड़ा शानदार है — ये रिलीज़ होगी गुड़ी पड़वा, उगादी और ईद जैसे त्योहारों पर, जिससे टिकट खिड़की पर चार दिन का ज़बरदस्त त्योहारी माहौल बनेगा।

द गर्लफ्रेंड की स्क्रिप्ट सुनकर रो पड़ी थीं रश्मिका मंदाना

दीक्षित की तारीफों के बांधे पुल

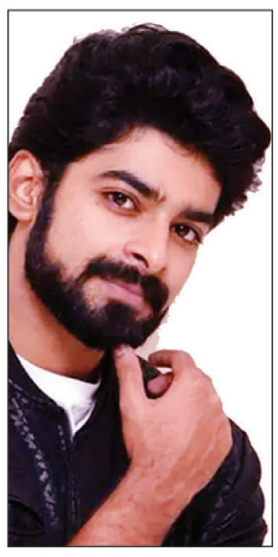

नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना अपनी फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रश्मिका ने फिल्म में भूमा नाम का किरदार निभाया है, जो उनके लिए बेहद खास है। रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि जब निर्देशक राहुल रविंद्रन ने उन्हें पहली बार इस फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो वह इतनी भावुक हो गईं कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। स्क्रिप्ट के कई पल उनके दिल को गहरे छू गए। रश्मिका ने कहा कि ये कहानी और भावनाएं इतनी खास थीं कि उन्हें लगा जैसे वह इन्हें पहले भी महसूस कर चुकी हैं। उन्हें हैरानी हुई कि ये गहरी बातें एक मेल निर्देशक की सोच से आईं, जो आमतौर पर लोग समझ नहीं पाते। रश्मिका ने आगे राहुल से हुई उनकी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि वह उस दिन दो चीजें लेकर लौटीं। पहली ऐसी स्क्रिप्ट, जिसे न पढ़ना गलत होगा और दूसरी जिंदगी भर का दोस्त। आगे रश्मिका ने फिल्म के निर्देशक राहुल रविंद्रन की तारीफ करते हुए कहा कि उनका दुनिया को देखने का नजरिया बहुत खूबसूरत है। वह उनसे मिलकर बहुत खुश और आभारी हैं। उनके जैसे लोग इस दुनिया में और होने चाहिए।

दीक्षित शेट्टी पर गर्व

रश्मिका ने अभिनेता दीक्षित शेट्टी की तारीफ की और कहा कि यह उनके लिए बस शुरुआत है। उन्होंने विक्रम जैसे चुनौतीपूर्ण किरदार को इतनी जल्दी स्वीकार किया, जिस पर उन्हें गर्व है। रश्मिका ने कहा कि अगर यह फिल्म किसी एक इंसान के दिल को भी छू ले, तो उनकी जीत होगी।

भूमा किरदार के बारे में

रश्मिका ने बताया कि भूमा उनके लिए बहुत खास है क्योंकि यह किरदार काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। भूमा को निभाते हुए उन्होंने खुद को बेहतर समझा। राहुल जब कोई सीन समझाते थे, तो वह बिना किसी सवाल के उसे समझ जाती थीं। रश्मिका का दिल प्यार, गर्व और खुशी से भरा है। वह चाहती हैं कि दर्शक भी वही महसूस करें, जो उन्होंने फिल्म बनाते वक्त किया। भूमा उनके लिए बहुत कीमती है, और वह चाहती हैं कि दर्शक उसे प्यार और समर्थन दें। आखिर में रश्मिका ने खुद को भूमा के रूप में साइन ऑफ करते हुए लिखा, कृपया भूमा की रक्षा करें, उसे प्यार दें और उसका साथ दें।

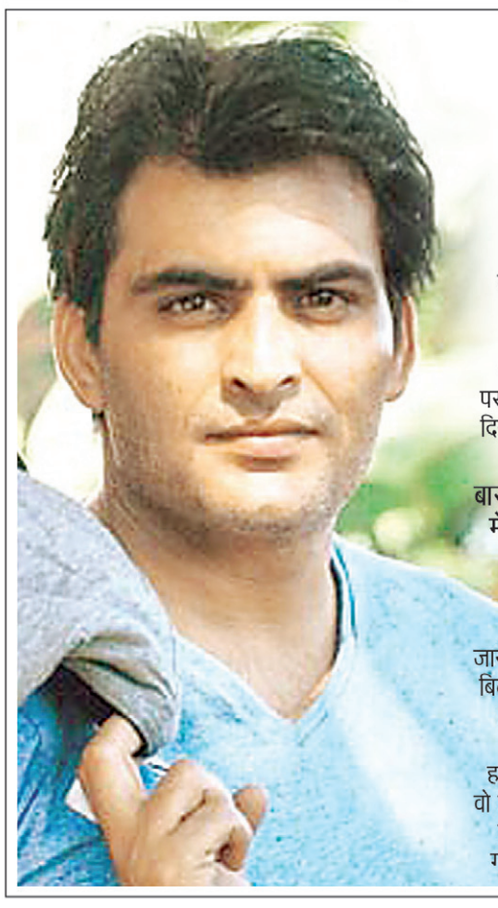

सबसे बेहतरीन थे चॉल में बिताए वो दिन, अमीर घरों के बच्चे आर्टिस्ट ही नहीं बन पाते

बॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में मानव कौल एक अलग ही रंग भरते हैं। सारी तड़क-भड़क और भीड़-भाड़ से दूर अपनी रचनाधर्मिता में मगन मानव कहते हैं कि कला और किताबों की संगत उन्हें इतनी पसंद है कि किसी और के साथ की चाहत ही नहीं। इन दिनों वह अपनी सुपरनैचरल थ्रिलर फिल्म बारामूला को लेकर चर्चा में हैं।

बारामूला आपकी जन्मभूमि है, जिसे आपको बचपन में छोड़ना पड़ा। सालों बाद जब आप जवान होकर वहां लौटे तो वो बचपन कहां-कहां दिखा? क्या यादें ताजा हुईं? क्या नए अनुभव जुड़े?

कश्मीर बहुत ही अद्भुत जगह है कि इतने सालों बाद जाने के बाद भी आपको वो पॉकेट्स दिख जाते हैं कि ये बिल्कुल वैसा का वैसा है जैसा मैंने बचपन में जिया था। जैसे, मेरा जो स्कूल था, उसकी बारामूला में एक नई बिल्डिंग बन गई है, लेकिन बारामूला ख्वाजा बाग में हमारी जो पुरानी बिल्डिंग थी, जो लकड़ी का ढांचा था, वो वैसा ही है तो मैं जब उस स्कूल में गया और जब उन लकड़ी की सीढ़ियों से होता हुआ अपने क्लासरूम में गया तो मुझे बहुत अच्छा लगा कि हर चीज सीमेंट की नहीं हो गई है। इसके अलावा, मुझे कश्मीर की सर्दियां बहुत अच्छा लगती हैं। जब मुझे पता चला कि यह फिल्म हम सर्दियों में माइनस तापमान में शूट करने वाले हैं तो मैं एक्साइटेड हो गया। हमें बहुत बर्फ भी मिली। बर्फ के चक्कर में हमारा शूट भी रुका लेकिन इसे बनाने में बेहद मजा आया।

आपके जीवन के शुरुआती संघर्षों, जैसे बचपन में कश्मीर से निष्कासन, एमपी के होशंगाबाद में आर्थिक तंगी में बड़े होना, फिर मुंबई की चॉल की जिंदगी, इन सबने आपके भीतर के कलाकार को कितना ठोका-पीटा, तराशा-निखारा?

मुझे नहीं लगता है कि आपके जीवन या गरीबी से इस पर फर्क पड़ता है। फर्क पड़ता है आपके इंट्रेस्ट से कि आप उस समय कर क्या रहे थे। जैसे, जब मैं चॉल में था तो मेरे हाथ में विनोद कुमार शुक्ल, निर्मल वर्मा की किताबें थीं। वह मेरा एंटरटेनमेंट था। मैंने गोर्की और दोस्तोवस्की और सॉल बेलो जैसे लेखकों को उसी वक्त पढ़ा है जब मेरे पास बहुत वक्त होता था और मैं दीवारें देखने के बजाय किताबें देखता था। मेरा मानना है कि आपके संघर्ष से कुछ नहीं होता। ऐसा होता तो अमीर घरों के बच्चे आर्टिस्ट ही नहीं बन पाते। सत्यजीत रे तो काफी अच्छे परिवार से थे, उन्होंने पाथेर पांचाली कैसे बनाई? तो आप वही करते हैं जिसके लिए एक्साइटेड होते हैं। मैं हमेशा से साहित्य, सिनेमा, पेंटिंग को लेकर बहुत उत्साहित रहता था। मैं इन चीजों के पीछे भागता रहा हूं। आज थोड़े पैसे आ गए हैं तो मैं यूरोप भी जाता हूं तो अमूमन किसी राइटर या पेंटर की ही खोज में रहता हूं कि वे कहां रहते थे, कैसे रहते थे। मैं कभी टूरिस्ट जगहें देखने नहीं जाता। उसमें मेरी कोई रुचि नहीं है।

अमूमन जो बचपन में तंगी देखते हैं, वे पैसे की अहमियत ज्यादा समझते हैं। जैसे, शाहरुख खान हमेशा पैसे कमाने की सीख देते हैं। आपमें धन का मोह नहीं दिखता। कैसे?

सच कहूं तो जो जिंदगी मैंने चॉल में बिताई है, वो मेरी जिंदगी के सबसे अच्छे दिन हैं। हम कितना हंसते थे। हंस-हंसकर पागल हो जाते थे क्योंकि खोने के लिए कुछ नहीं था। हमें कुछ भी मिलता था तो हम खुश हो जाते थे कि अरे, ये कैसे मिल गया। हम तो यही सोचकर आए थे कि हम फेलियर ही हैं। तब कहीं अच्छा खाना भी मिल जाए तो ऐसा लगता है कि गुरु आज ये मिल गया, आगे काफी समय तक नहीं मिलेगा तो आप उसको एंजॉय करते हैं। ये नहीं सोचते कि आगे क्या होगा। मैं आज भी चॉल में चला जाऊं और वहां रहने लगूं तो मुझे बहुत मजा आएगा। मतलब, मैं ऐसे मिशन पर थोड़ी निकला हूं कि अमीर होता चला जाऊंगा। मेरा तो बस यही है कि अगला दिन अच्छा बीते और ऐसे ही दिन बीतते जाएं। फिर, अगर आप अपना काम जानते हैं तो पैसा तो आता रहेगा।

आपने 9 साल में 15 किताबें लिख डाली हैं। इतना कैसे लिख लेते हैं?

मेरे पास बहुत टाइम है। मेरी सोशल लाइफ जीरो है, मैं साढ़े दस बजे सो जाता हूं। सुबह साढ़े चार-पांच उठता हूं तो उठकर क्या करेगा आदमी। लिखेगा और म्यूजिक सुनेगा। मुझे प्यार है इस जिंदगी से। मुझे एक हद के बाद लोगों से बहुत ज्यादा मिलना-जुलना पसंद नहीं भी नहीं है।

आपने अपने लेखन की विरासत तो बहुत विस्तृत कर ली है, मगर कभी परिवार रूपी विरासत को आगे बढ़ाने की चाह नहीं जगी?

कभी नहीं। इतने इंसान हैं दुनिया में। आपको पता है कि कितने इंसान हैं। कितनी भीड़ है तो मैं क्यों और इसे बढ़ाऊं। मेरा योगदान इस दुनिया में यही है कि मेरे कारण कोई और नहीं आएगा। इसके अलावा मेरा कोई और योगदान नहीं है। मेरी विरासत वगैरह में कोई रुचि नहीं है। ये किताबें वगैरह भी जब तक मैं जिंदा हूं, मुझे अच्छा लग रहा है। मेरे जाने के बाद आप जला दें सबकुछ। आग लगा दो सब चीजों में, मुझे परवाह नहीं है।

गणना प्रपत्र वितरण कार्य निरीक्षण करने कलेक्टर पहुंचे वार्डों में

कलेक्टर ने की मतदाताओं से बीएलओ के कार्यों में आवश्यक सहयोग करने की अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा 27 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। इसके अंतर्गत जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचकों को गणना पत्र वितरण एवं संकलन कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह आज विधानसभा क्षेत्र 64 दुर्ग शहर के विभिन्न वार्डों में गणना प्रपत्र वितरण एवं संकलन कार्य की जांच एवं निरीक्षण करने पहुंचे।

कलेक्टर श्री सिंह ने पदमनाभपुर वार्ड कमांक 46 के मतदान केंद्र क्रमांक 188, पोटिया कला वार्ड क्रमांक 54 के मतदान केंद्र क्रमांक 195, कोस्टा पारा वार्ड क्रमांक 56 के मतदान केंद्र क्रमांक 5 एवं 6, तथा नया पारा वार्ड नंबर 2 के मतदान केंद्र क्रमांक 108 में पहुंचकर बूथ लेवल

ऑफिसर द्वारा मतदाताओं को गणना पत्र वितरण एवं संकलन कार्य की जांच की। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर, सुपरवाइजर एवं उपस्थित पार्षद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, निर्वाचकों/मतदाताओं उनके निवास स्थल जाकर रू-ब-रू होकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वन के संदर्भ में चर्चा की एवं मतदाताओं को इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि वर्ष 2003 के निर्वाचक नामावली में मतदाताओं या उनके परिवार के सदस्यों का नाम जिस विधान सभा क्षेत्र के मतदान केंद्र में दर्ज था उसे वोटर सर्विस पोर्टल या अपने क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर से संपर्क करके प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्साह से भाग ले और बीएलओ को इस कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदान करे। गणना पत्र फॉर्म में चाही गई जानकारी भरकर यथाशीघ्र बीएलओ को वापस करे। गणना प्रपत्र भरने का कार्य 04 नवंबर से 04 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। उन्होंने गणना प्रपत्र के साथ व्हाइट बैक ग्राउंड में चस्पा करने स्वयं के दो रंगीन फोटो भी बीएलओ के पास जमा कराने की भी अपील की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उत्तम ध्रुव, तहसीलदार दुर्ग एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सुपरवाइजर श्रीमती प्रीति पंसारी, गीतेश मानकर, हरीश देवांगन, पंकज साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

देश के सर्वोच्च अदालत में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए आज अहम दिन था, दो मामले बहुचर्चित थे और दोनों में सरकार ने मुंहकी खाई

बिलासपुर (समय दर्शन)। देश के सर्वोच्च अदालत में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए आज अहम दिन था। दो मामले बहुचर्चित थे और दोनों में सरकार ने मुंहकी खाई पहला मामला बिलासपुर के जेकमेन मेमोरियल अस्पताल का पीठ ने यथा स्थिति का आदेश दिया। स्टेटस को दूसरे मामले में एक अन्य बेंच ने 3200 करोड़ के शराब घोटाले मामले में आबकारी अधिकारियों को जो अस्थाई सुरक्षा दी थी उसे स्थाई कर दिया अब ईडी उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती, हालांकि अधिकारियों को यह राहत सशर्त है।

10 नवंबर 2025 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने सीडब्ल्यूबीएम की याचिका खारिज की थी और सिंगल बेंच के आदेश को वैध ठहराया था। जिस पर 11 नवंबर को जिला प्रशासन नगर निगम ने जेकमेन मेमोरियल अस्पताल के परिसर में स्थित सभी निवासरत परिवारों से मकान खाली कराया और खाली होते ही जबरदस्त तोड़फोड़ चालू की आज एसएलपी क्रमांक 215/2025 पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ में वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने सीडब्ल्यूबीएम की ओर से बहस की और बेंच ने स्टे प्रदान किया। उच्चतम न्यायालय से स्थगन प्राप्त हो गया है की चर्चा बिलासपुर में 12:00 बजे से ही शुरू हो गई थी पर अधिकृत साइड पर आवेदन अपलोड ना होने के कारण जिला प्रशासन और उसके अधिकारी स्थगन को नहीं मान रहे थे और तोड़फोड़ की कार्यवाही को तेज कर दिए थे जब प्रिंट कॉपी उपलब्ध कराई गई तभी मशीन खामोश हुई।

ग्राम नवाडीह (लपटी) में पशु-पक्षी प्रदर्शनी मेला 13 नवंबर को

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 13 नवंबर को लोरमी विकासखण्ड के ग्राम नवाडीह (लपटी) में पशु-पक्षी प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया जाएगा। पशु मेला में विभिन्न पशुओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। मेले में कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न उन्नत नस्ल के बछिया-बछड़ों की भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरूण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

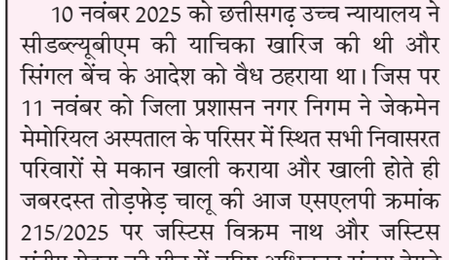

मुंगेली (समय दर्शन)। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी के मार्गदर्शन में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को शिक्षा के महत्व, बालिकाओं के अधिकारों, संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों, लैंगिक समानता, बाल विवाह निषेध अधिनियम, लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम तथा महिलाओं के प्रति अपराधों से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराओं 354, 354 आदि की जानकारी दी गई। साथ ही सायबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कानूनी सहायता के लिए उपलब्ध नि:शुल्क सेवाओं और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के विषय में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की सचिव श्रीमती कंचन लता आचला ने बताया कि शिविर में छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और समाज में जागरूक नागरिक बनने प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जसविंदर कौर अजमानी मलिक, सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश कु. श्रेया तुलावी, सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश कु. अतनु प्रसाद सहित अन्य न्यायधीशगण मौजूद रहे।

धान उपार्जन एवं मिलिंग तैयारी की समीक्षा, कलेक्टर सिंह ने दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिले में धान उपार्जन, मिलिंग, चावल भंडारण की तैयारी एवं खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राईस मिल पंजीयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित विभागों एवं राईस मिलर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपार्जन से लेकर चावल भंडारण तक की संपूर्ण प्रक्रिया की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी मिल संचालकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कस्टम मिलिंग कार्य में कोई विलंब न हो। धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी उपार्जन समितियों को बारदाना (बोरी) की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। संबंधित अधिकारी खरीदी शुरू होने से पूर्व सभी संग्रहण केंद्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पिछले वर्ष के उपार्जन सीजन से संग्रहण केंद्रों में बचे हुए धान के उठाव का कार्य शीघ्र पूर्ण करें, ताकि नए सीजन की खरीदी के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सके।

मृत्यु को भी मंगलमय बनाती है श्रीमद् भागवत कथा-आचार्य राजेन्द्र महाराज

बिर्रा में कर्ष परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा द्वितीय दिवस

बिर्रा (समय दर्शन)। भागवत की नियति ब्रह्म मय होना है , भगवत परायण बनाना है ।भागवत की कथा से हृदय में भक्ति का उदय होता है और जीवन की व्यथा दूर होती है ।निराकार ब्रह्म को कथा के माध्यम से हम साकार रूप में समझ पाते हैं । सनातन में वैदिक और पौराणिक काल से कथा की प्राचीन परंपरा है , । यह उद्गार बिर्रा में कर्ष । परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ से प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य श्री राजेंद्र महाराज जी ने प्रकट किया ।आचार्य ने बताया की भागवत भगवान के अवतारों का इतिहास है । मनुष्य को अपने भावी । जन्म की तैयारी इसी जन्म में ही करना पड़ता है , । राजा परीक्षित को श्रृंगी ऋषि ने श्राप दिया की 7 दिन में तक्षक नाग के डसने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी । तब राजा परीक्षित के जीवन में सदुरु बनकर शुकदेव जी महाराज का आगमन हुआ और उन्होंने बताया कि दो घड़ी का सत्संग ही मनुष्य के सद्गति का कारण बनता है । अभी तो तुम्हारे जीवन में 7 दिन बाकी है इसलिए सत्संग करो क्योंकि सत्संग ही भगवत प्राप्ति की पहली सीढ़ी है ।इस संसार में पहली बार श्रीमद् भागवत की कथा शुकदेव जी महाराज के मुख से प्रवाहित हुई जिसे राजा परीक्षित ने श्रवण किया ।आचार्य श्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मृत्यु को भी मंगलमय बनाती है। उनके द्वारा द्वारा सृष्टि वर्णन देवहूति संवाद प्रसंग एवं ध्रुव चरित्र की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया ।आचार्य श्री ने बताया कि माता सुनीति ने अपने 5 वर्ष के पुत्र को भगवान की तपस्या अर्थात उसके हृदय में अध्यात्म और भक्ति का रोपण किया दिव्य संस्कारों का आधान किया माता ही अपने संतान की प्रथम गुरु होती है । बेटे और बेटियां देने का काम तो भगवान करते हैं किंतु उन्हें योग्य और दक्षता प्रदान करना माता-पिता का ही कार्य है । माता सुनीति की प्रेरणा से ध्रुव जी ने भगवान को अपने भक्ति के बल पर सातवें आसमान से नीचे उतरा था ।

दो स्टे के बीच कैसे नष्ट की गई विरासत

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर स्थित जेकमेन मेमोरियल अस्पताल बिलासपुर ही नहीं छत्तीसगढ़ के इतिहास में अपनी खास जगह रखना है। इसकी न्यू स्वतंत्रता से पूर्व रखी गई और सेवा काल भी पूरे 100 साल से ज्यादा का है। पर 2024 से 12 एकड़ के भूखंड पर जिला प्रशासन की नजर पड़ गई और इस स्मार्ट सिटी का बजट और उसका अहंकार सेवा और समर्पण के 100 की साल की विरासत पर भारी पड़ गया। पहले नजूल न्यायालय से लीज नवीनीकरण रद्द हुआ। संभाग आयुक्त के न्यायालय से स्थगन हुआ परिणाम

आयुक्त का तबादला हुआ। नए आयुक्त के अदालत में सरकार की जीत हुई और जीत होने के बाद सरकार का तोड़ू दस्ता परिसर में घुस गया। जब तक उच्च न्यायालय का स्थगन आता मुख्य भवन को आधा धारासाही किया जा चुका था और एक अन्य भवन पर निगम ने अपना विस्तार कार्यालय खोल दिया। सिंगल बेंच में फिर सरकार की जीत हुई और डीबी में कुछ ही दिन के भीतर याचिकाकर्ता हार गया। यदि मानवीय दृष्टिकोण से पीठ चाहती तो याचिकाकर्ता को इतनी राहत तो प्रदान की ही जा सकती थी कि उन्हें एक समय विशेष की मोहलत देते और उसे समय सीमा के भीतर जिला प्रशासन को तोड़फोड़ से रोकने पर यह नहीं हुआ और 10 तारीख के निर्णय का दाम लेकर निगम प्रशासन ने 11 नवंबर और 12 नवंबर को खूब मनमर्जी की जब तक सर्वोच्च न्यायालय का स्थगन आता 100 साल की सेवा समर्पण की विरासत को ध्वस्त किया जा चुका था। अब स्टेटस के आदेश को तकिए के नीचे रखकर याचिकाकर्ता और परिसर के निवासी केवल रो सकते हैं।

'हिन्दी साहित्य काव्य गौरव सम्मान' से सम्मानित हुई आभा श्रीवास्तव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर की प्रख्यात कवयित्री, लेखिका और पत्रकार श्रीमती आभा श्रीवास्तव को हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'हिन्दी साहित्य काव्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महाराष्ट्र स्थित इंकलाब पब्लिकेशन हाउस द्वारा प्रदान किया गया।

यह सम्मान श्रीमती श्रीवास्तव को उनकी दो कविताओं के 'मन की उमंग' काव्य संकलन में प्रकाशन के उपलक्ष्य में दिया गया। उनकी कविताओं को पाठकों और समीक्षकों द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर उन्हें मेडलए प्रशस्ति पत्र और शिल्ड देकर सम्मानित किया

गया।

श्रीमती श्रीवास्तव इससे पहले भी कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक सम्मानों से नवाजी जा चुकी हैं। अब तक वे तेरह पुस्तकों की लेखिका हैं। उनकी कृति 'पगडंडी' को विशेष लोकप्रियता मिली है। वे केवल कवयित्री ही नहीं, बल्कि लेख, जीवनी, कहानी और अन्य विधाओं में भी समान रूप से सक्रिय रही हैं।

पेशे से पत्रकार श्रीमती श्रीवास्तव को हाल ही में जय जोहार साहित्य समिति रायपुर द्वारा भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 'मेरा छत्तीसगढ़' ग्रंथ में प्रकाशित उनके आलेख 'छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाएं' के लिए दिया गया। यह पुस्तक छत्तीसगढ़ रजत जयंती विशेष समारोह के अवसर पर रायपुर के वृंदावन हाल, सिविल लाइन में विमोचित की गई। आयोजन छत्तीसगढ़ मित्र और जय जोहार साहित्य संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें श्रीमती श्रीवास्तव ने राजनांदगांव जिले का प्रतिनिधित्व किया।

साहित्य, पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी श्रीमती श्रीवास्तव ने अपने लेखन के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया है। उनके लेखन में संवेदना, यथार्थ और रचनात्मकता का सुंदर संगम देखने को मिलता है।

उनके इस सम्मान से शहर के साहित्यिक एवं पत्रकारिता जगत में खुशी का माहौल है। श्रीमती आभा श्रीवास्तव ने एक बार फिर यह साबित किया है कि सृजनशीलता, समर्पण और सशक्त लेखन समाज में अपनी अमिट पहचान बनाता है।

द्वितीय एवं तृतीय सोपान शिविर आयोजित करने हेतु भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना का आवश्यक बैठक सपन्न

बसना(समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना द्वारा आयोजित होने वाले द्वितीय एवं तृतीय सोपान शिविर के आयोजन हेतु भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्ष शीत गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश विकास वाधवा, उपाध्यक्ष कामेश बंजारा, विकास खंड स्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव एवं विकास खंड सचिव विवेकानंद दास की उपस्थिति में विकास खंड स्रोत केंद्र बसना में आवश्यक बैठक रखा गया।

यह प्रशिक्षण शिविर नौगड़ी,कोलिहादेवरी,दुर्गापाली या बाराडोली में आयोजित करने हेतु सहमति बनी। शिविर तिथि 27 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजन करने के लिए प्रस्तावित किया गया। शिविर शुल्क प्रति स्काउट्स एवं गाइड्स शिविर शुल्क के रुप में 150, विकास शुल्क 250 कुल शुल्क 400 रूपये राशि निर्धारित

किया गया। विकासखंड सचिव विवेकानंद दास व पदाधिकारियों ने विकास खंड के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी से जो अंशदान जमा नहीं किए हैं उनसे विगत तीन वर्षों का अंशदान अनिवार्य रूप से जमा करने हेतु अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष गण द्वारा निर्देशित किया गया । इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्ष शीत गुप्ता ने उपस्थित सभी स्काउटर्स,गाइडर्स, प्रभारी शिक्षक शिक्षिकाएं,प्राचार्य एवं प्रधान पाठक को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स के अधिक से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण देकर राज्य पुरस्कार के लिए तैयार कराए जाने की आवश्यकता है। यह उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी होगा।

सभी पदाधिकारी एवं प्रशिक्षक इसके लिए सतत प्रयास करें।उपाध्यक्ष कामेश बंजारा ने कहा कि स्काउट एवं गाइड दूसरों के प्रति सम्मान रखने,साहसी बनने,अपने प्रति और अपने राष्ट्र के प्रति वफादार रहने हेतु प्रेरित करता है।उपाध्यक्ष राजेश विकास वाधवा ने स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा इसके उद्देश्य युवाओं को आत्म-अनुशासन,नेतृत्व कौशल और समाज के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाने के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के गिरीश कुमार पाढ़ी (एलटी),विकास खंड सचिव विवेकानंद दास,जिला प्रतिनिधि स्काउट-गिरीश गजेन्द्र,प्रेमचन्द साव,कोषाध्यक्ष एवं बीआरसीसी अनिल सिंह साव, ईश्वरी पोर्रे,सविता सुमन, मोहम्मद अलीम,राजेश साहू, कन्हैयालाल साव,वारिश कुमार, डिजेन्द्र कुर्रे, टेकलाल पटेल, रेखराम पटेल, रोहित शर्मा, कमलेश साहू, गोकुल कुमार नायक, जयकुमार भोई, शंकर सिंह सिदार, पवन नायक, दिनेश कुमार बंधु, बलदेव मिश्रा, श्रीकांत प्रधान,सुकमोती चौहान, बागेश्वरी धृतलहरे,नीलम कुमार, गुरमीत कौर, गजेन्द्र नायक आदि स्काउटर्स, गाइडर्स,प्राचार्य,प्रभारी शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में रंजना साहू ने कहा- सेवा भावना ही व्यक्तित्व निर्माण का आधार है

धमतरी (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरेंगा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम सारंगपुरी में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। इस एनएसएस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शिविर में विद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, ग्राम सौंदर्यीकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और साक्षरता अभियान जैसी विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना साहू ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी में सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व की भावना का विकास करना है, जब युवा समाज के लिए कुछ करते हैं, तब उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और व्यक्तित्व का निर्माण स्वत: होता है, सेवा भावना ही व्यक्तित्व निर्माण का सबसे सशक्त आधार है, स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 'सेवा ही सर्वोच्च धर्म है', और इस भावना को जीवन में उतारना ही एन.एस.एस. का मूल उद्देश्य है।

कलेक्टर ने राइस मिलर्स की बैठक लेकर दिए विभिन्न निर्देश

धान खरीदी प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी, निगरानी व्यवस्था होगी मजबूत: कलेक्टर

मुंगेली(समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ एवं सुचारु रूप से संचालन के लिए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में राइस मिलर्स की बैठक ली। कलेक्टर ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप धान खरीदी की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई गई है। इसके लिए अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए

हैं तथा प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस बार धान खरीदी के लिए विशेष मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया गया है। बेहतर मॉनिटरिंग के लिए इस बार इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। रूट मैपिंग करने एवं परिवहन के लिए चिन्हांकित वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगाकर विशेष निगरानी की जाएगी और धान परिवहन में किसी भी प्रकार की अनियमितता होने पर ऐप के माध्यम से तुरंत अलर्ट प्राप्त हो जाएगा, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि सही गुणवत्ता का धान सही व्यक्ति से सही समय पर खरीदी सुनिश्चित करने, खरीदी केन्द्रों से लेकर परिवहन और मिलिंग तक हर चरण की सघन निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोचियों एवं बिचौलियों के द्वारा अवैध धान की खपत को रोकना, धान की रीसाइकलिंग पर नियंत्रण रखना तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु संपादन करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि एग्रीस्टेक, एकीकृत किसान पोर्टल, डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि सही किसानों से सही रकबे का धान खरीदा जा सके। उन्होंने धान खरीदी के सुचारू संचालन के लिए राइस मिलर्स से भी सुझाव मांगे। कलेक्टर ने बताया कि निर्वाचन की तरह पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वायड बनाया गया है। उन्होंने राइस मिलर्स को पूरी प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ धान खरीदी में सहयोग करने की अपील की। कलेक्टर ने बताया कि समितियों में तौल के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटा-बांट का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका कैलिब्रेशन कार्य भी किया जा चुका है। उन्होंने राइस मिलर्स को मिलिंग के दौरान पर्यावरण मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा प्रदूषण को कम करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर कलेक्टर जी.एल.यादव ने राइस मिलर्स से धान खरीदी में सहयोगात्मक रवैया अपनाने की अपील की। बैठक में जिला खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना, सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास, जिला विपणन अधिकारी मनोज यादव सहित संबंधित अधिकारी और राइस मिलर्स मौजूद रहे।

गौधाम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन सक्रिय

धमतरी (समय दर्शन)। जिले में गौधाम संचालन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय (अशासकीय) अध्यक्ष, सदस्यगण एवं गौधाम संचालन में रुचि रखने वाली स्वैच्छिक संस्थाओं/गौशालाओं की उपस्थिति में कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला धमतरी में बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिला स्तरीय समिति सदस्य श्री रंजीत साहू ने की। उन्होंने कहा कि गौधाम योजना का उद्देश्य घुमंतू एवं निराश्रित पशुओं को आश्रय प्रदान करना, जन-जन में गौसेवा के प्रति प्रेरणा जगाना तथा गौ- उत्पादों के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं श्री डी.ए.के. मरकाम ने गौधाम योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग नियम 2005 के अंतर्गत जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर गौधामों की स्थापना की जाएगी, जो पंजीकृत गौशालाओं से भिन्न होंगे। प्रथम चरण में प्रदेश के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास स्थित ग्रामों में गौधाम स्थापित किए जाएंगे। इनका प्रमुख उद्देश्य निराश्रित, घुमंतू एवं जप्त पशुओं का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बसना महाविद्यालय मे विविध प्रतियोगिता का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय बसना के प्राचार्य डॉ. एस. के. साव के निर्देशन में विज्ञान विभाग के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्रीमती आरती साव ने इस दिवस के मानने के पीछे के कारण, उद्देश्य व महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का टॉपिक- ट्रस्ट, ट्रांसफरमेशन, टुमारो द नीड ऑफ़साइंस 2050,, और कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं को विज्ञान व नवाचार की ओर प्रेरित करना, ताकि हमारा देश तकनीकी एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नेतृत्व की ओर जा सके। तथा विकसित राष्ट्र बनने में सहायता मिले, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए विज्ञान की भूमिका महत्वपूर्ण होती है द्य श्रीमती रोशनी गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष पूरी दुनिया में 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। सर्वप्रथम इसको हृश्वस्ष्ह्र द्वारा 2001 में इसकी स्थापना की गई थी।

उन्होंने कहा कि विज्ञान भी हमें शांति से रहना सिखाता है तथा जीवन की समस्याओं का समाधान करके मानव जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैद्य इसदिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसके तहत पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम डलेश्वरी साव,एमएससी तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय अदिति सामल एमएससी प्रथम सेमेस्टर, दिव्या पटेल हिंदी साहित्य , तृतीय शिखा साहू बीएससी प्रथम सेमेस्टर, अलका दास रूहिंदी साहित्य द्य मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम प्रिया. प्रधान बीएससी प्रथम सेमेस्टर, ललित टंडन बीएससी तृतीय वर्ष, द्वितीय गीता चौधरी एमएससी प्रथम सेमेस्टर, भारती प्रधान एमएससी सेमेस्टर एवं तृतीय खेमेश्वरी साव, बीएससी प्रथम सेमेस्टर, केवल दास दीवान बीएससी तृतीय वर्ष रहे द्यतथा रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम चिराग राजपूत बीकॉम प्रथम वर्ष, द्वितीय आरती साहू एमएससी प्रथम सेमेस्टर कविता जगत बीएससी तृतीय वर्ष एवं तृतीय मनिका जगत एमएससी प्रथम सेमेस्टर रहे।

खबर-खास

प्रशासन की बड़ी कार्यवाही, महासमुंद में देर रात छापामारी, सैकड़ों बोरी अवैध धान जब्त

महासमुन्द(समय दर्शन)। जिले में धान खरीदी सीजन शुरू होने से पहले ही प्रशासन ने अवैध धान परिवहन और भंडारण पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर विनय लंगेह के सख्त निर्देशों के बाद राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीमों ने देर रात कई जगहों पर छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध धान जब्त किया। जानकारी के अनुसार, तहसील सराईपाली के ग्राम बालसी में प्रशासनिक टीम ने अनिल ट्रेडर्स के गोदाम से 375 कट्टा और रोशन ट्रेडर्स के गोदाम से 50 कट्टा धान जब्त किया। यह कार्रवाई मंडी अधिनियम के तहत की गई, जिसमें राजस्व विभाग, खाद्य निरीक्षक और मंडी सचिव शामिल रहे। इसी दौरान ओडिशा सीमा से अवैध रूप से लाया जा रहा 80 कट्टा धान भी नायब तहसीलदार प्रकृति एवं मंडी टीम द्वारा जब्त किया ।

पावरग्रिड रायपुर पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा प्रभावित किसानों को किया गया मुआवजा वितरण

दुर्ग(समय दर्शन)। अनुभाग दुर्ग अंतर्गत पावरग्रिड रायपुर पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड, कार्यालय गेडेसरा (तहसील धमधा, जिला दुर्ग) द्वारा 400 के.वी. डबल सर्किट रायपुर पुल-धमतरी संचरण लाइन निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को मुआवजा वितरण की प्रक्रिया जारी है। अनुविभागीय अधिकारी(रा.) से प्राप्त जानकारी अनुसार इस परियोजना के तहत तहसील दुर्ग के अंतर्गत कुल 19 ग्राम-ननकट्टी, झेन्झरी, डांडेसरा, ढाबा, भेडसर, नगपुरा, गनियारी, रसमड़ा, थनौद, चंगोरी, कोनारी, कुथरेल, भानपुरी, पाउवारा, जंजगिरी, मातरोडीह, कातरो, मचान्दुर एवं घुघसीडीह के कुल 971 कृषकों की भूमि प्रभावित हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुसार प्रभावित कृषकों को क्षतिपूर्ति मुआवजा वितरण हेतु कुल 4,61,88,017 (चार करोड़ इकसठ लाख अठ्यासी हजार सत्रह रुपये) की राशि स्वीकृत की गई है। अब तक 407 कृषकों को 2,51,70,904 (दो करोड़ ईकावन लाख सत्तर हजार नौ सौ चार रुपये) का भुगतान किया जा चुका है। शेष प्रभावित कृषकों को मुआवजा वितरण की कार्यवाही निरंतर जारी है। सभी पात्र कृषकों को शीघ्र ही उनकी भूमि का समुचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना से नन्दा हॉस्पिटल का पंजीयन तीन माह के लिए निलंबित

धमतरी (समय दर्शन)। आयुष्मान भारत योजना के तहत प्राप्त एक शिकायत पर जिला एवं राज्य स्तर से की गई जांच में धमतरी स्थित नन्दा हॉस्पिटल को दोषी पाए जाने पर उसके पंजीयन को आगामी तीन माह की अवधि के लिए निलंबित किया गया है।

शिकायतकर्ता श्री संजय पटेल पिता श्री जागेश्वर पटेल द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पंजीकृत नन्दा हॉस्पिटल द्वारा उनके इलाज के दौरान अतिरिक्त नगद राशि वसूल की गई। शिकायत के परीक्षण के उपरांत जिला कार्यालय एवं राज्य नोडल एजेंसी द्वारा योजना के नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गई। परियोजना संचालक (आ.भा.यो.), राज्य नोडल एजेंसी, नवा रायपुर द्वारा जारी पत्र के अनुसार, प्राप्त शिकायत सत्य सिद्ध होने पर नन्दा हॉस्पिटल को योजना से तीन माह हेतु निलंबित करने तथा हितग्राही से वसूल की गई राशि ?32,500/- (बत्तीस हजार पांच सौ रुपये) वापस करने के निर्देश दिए गए हैं।

सतनामी समाज बसना के नये कार्यकारिणी का गठन, पोसराम धृतलहरे अध्यक्ष,छोटेलाल टण्डन सचिव मनोनीत

बसना(समय दर्शन)। बसना के ब्लाक मुख्यालय मे सतनामी समाज नगर इकाई के नये कार्यकारिणी का गठन सर्व सहमति से किया गया ।

समाज के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अभय धृतलहरे, वरिष्ठ समाज सेवी अक्तिराम ओग्रे,भंवरपुर परिक्षेत्र सतनामी समाज प्रमुख ईश्वर भारद्वाज के मार्ग दर्शन में सामाजिक गतिविधियों के संचालक के लिए नये कार्यकारिणी का गठन करते हुए समाज के नगर जनों की बैठक कर सर्व सहमति से नये कार्यकारिणी मे पोसराम धृतलहरे को पुन: सतनामी समाज बसना नगर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है ।छोटेलाल टण्डन को सचिव व वीरेन्द्र कोसरिया को सह सचिव बनाया गया है । संतराम भारद्वाज कोषाध्यक्ष बनाये गये। मनोज गहरेवाल सलाहकार तथा कार्यकारिणी मे टायलेन्द्र चौलिक,ललित धृतलहरे, बोधन कोसरिया, रूप सिंह चौलिक,ताराचंद धृतलहरे, नंदलाल कोसरिया, परमानंद धृतलहरे, नरेश ओग्रे,उदय जांगड़े, गुनप्रसाद धृतलहरे, गुंजराम सायतोड़े, नंदकिशोर सोनवानी, विजय बार्ले, रामनारायण मन्नाडे, बंधु कुर्रे, नेहरू रात्रे, नरेन्द्र धृतलहरे, हेमसागर भारद्वाज, ताराचंद सोनवानी, ओमप्रकाश रात्रे,मनोज मोहन अजगले,संजय चतुर्वेदी फागु रात्रे, साधुराम गहरे, इन्द्रकुमार, श्याम टण्डन, प्रभात धृतलहरे को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया ।

समाज के संरक्षक अभय धृतलहरे एवं सलाहकार मनोज गहरेवाल,अक्तिराम ओग्रे,ईश्वर भारद्वाज ने सभी नये दायित्व वान पदाधिकारियों को बधाईयाँ देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

डॉ. संपत अग्रवाल रेडक्रास शिविर मे किया प्रेरित, युवाओं को बताया समाज का भविष्य

विधायक डॉ. अग्रवाल बोले-सेवा ही श्रेष्ठ नागरिकता

महासमुन्द(समय दर्शन)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी महासमुंद शाखा द्वारा अंबेडकर भवन, संजय कानन के पास एक भव्य जिला स्तरीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मानवता की सेवा और उत्कृष्ट नागरिकता के भाव को पोषित करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में स्थानीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। शिविर का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिससे वातावरण में सकारात्मकता और प्रेरणा का संचार हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस केवल एक संगठन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा की विचारधारा है। यह प्रशिक्षण शिविर युवाओं को प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन जैसे तकनीकी कौशल के साथ जीवन के आदर्श भी सिखाता है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने युवाओं को समाज का भविष्य बताते हुए कहा कि रेडक्रॉस की ट्रेनिंग निस्वार्थ सेवा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का बोध कराती है।आप जहां भी जाएंगे, एक बेहतर नागरिक और जिम्मेदार मनुष्य के रूप में पहचाने जाएंगे। यही प्रशिक्षण आपको समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति देता है। शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी उपस्थितों का मन मोह लिया और वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने रेडक्रॉस महासमुंद शाखा को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि रेडक्रॉस का कार्य केवल आपदा के समय मदद करना नहीं है, बल्कि रोज़मर्रा के जीवन में करुणा और सहायता का भाव बनाए रखना है। यह युवा शक्ति ही हमारे जिले और देश का भविष्य है। कार्यक्रम के अंत में रेडक्रॉस महासमुंद शाखा ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी उपस्थिति से युवाओं का मनोबल बढ़ा है तथा संगठन को नई ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष येतराम साहू, महासमुंद नगर पालिका अध्यक्ष निखिल कांत साहू, सभापति (रेड क्रॉस) संदीप दीवान , पूर्व उपसभापति दाऊ लाल चंद्राकर, पूर्व पार्षद मनीष शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, शिविर प्रभारी डॉ मालती तिवारी, राज्य रेड क्रॉस अधिकारी अशोक गिरी, खेल अधिकारी अंजली बरमाल, शिक्षक शोभा दीवान, राहुल चंद्राकर, आनंद साहू सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

तहसील साहू संघ पाटन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लालेश्वर साहू नें की अपने कार्यकारिणी की घोषणा

पाटन (समय दर्शन)। तहसील साहू संघ पाटन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लालेश्वर साहू नें आज साहू सदन पाटन कार्यलय मे नवनिर्वाचित पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी टीम के नामों की घोषणा की ।तहसील साहू संघ पाटन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी -- श्री नंदलाल साहू वरिष्ठ संरक्षक पाहन्दा अ, अश्वनी साहू संरक्षक पतोरा , पुरन लाल साहू वरिष्ठ सलाहकार भनसूली, दिनेश साहू सलाहकार तेलीगुन्डरा, अशोक साहू सलाहकार भनसूली, मोरध्वज(मोनू) साहू सलाहकार अमलेश्वर डीह, दिलीप साहू सलाहकार तेलीगुन्डरा, सरजुराम साहू सलाहकार आगेसरा , लालेश्वर साहू अध्यक्ष गातापार दाऊ दिनेश साहू कार्यकारी अध्यक्ष तेलीगुन्डरा, डुलेश्वर साहू उपाध्यक्ष मटंग श्रीमती विमला साहू उपाध्यक्ष (महिला) सेलूद , सुरेन्द्र कुमार साहू संगठन सचिव पाहन्दा अ, श्रीमती भुनेश्वरी साहू संगठन सचिव (महिला) कुम्हली, महेन्द्र कुमार साहू महासचिव करसा, नारद साहू कोषाध्यक्ष धमना, डॉ सुरेश कुमार साहू प्रचार सचिव बोदल श्रीमती गीता साहू प्रचार सचिव (महिला) पतोरा, दिलीप साहू सह सचिव चीचा, श्रीमती हेमलता साहू सह सचिव (महिला) बिजाभाठा, गंगादीन साहू जिला प्रतिनिधि असोगा, विनोद साहू अंकेक्षक भनसूली अनिल कुमार साहू मीडिया प्रभारी पाटन, रविशंकर साहू संयोजक न्याय प्रकोष्ठ पाहन्दा झा, कल्याण साहू सह संयोजक न्याय प्रकोष्ठ अमलेश्वर डीह, रोहित साहू सचिव न्याय प्रकोष्ठ झीठ, डिजेन्द्र कुमार साहू संयोजक युवा प्रकोष्ठ झीठ, मधुकांत साहू सह संयोजक युवा प्रकोष्ठ गुजरा, योगेश साहू सचिव युवा प्रकोष्ठ फेकारी, श्रीमती कोमिन साहू संयोजक महिला प्रकोष्ठ आगेसरा, श्रीमती खेमलता साहू, सह संयोजक महिला प्रकोष्ठ करसा श्रीमती कालिन्दी साहू सचिव संयोजक महिला पाटन, छन्नू लाल साहू संयोजक कर्मचारी प्रको गब्दी, बिहारी लाल साहू सचिव कर्मचारी प्रको अरसनारा, डॉ रामनाथ साहू संयोजक चिकित्सा प्रको बिजाभाठा

डॉ प्यारेलाल साहू सह संयोजक चिकित्सा सेलूद डॉ तामेश साहू सचिव चिकित्सा प्रकोष्ठ तरीघाट, राजेन्द्र साहू संयोजक किसान प्रको पाहन्दा अ, रमेश कुमार साहू सह संयोजक किसान अरसनारा, धनेश्वर साहू सचिव किसान प्रकोष्ठ कुम्हली, गुमान साहू संयोजक ब्यापारी प्रकोष्ठ असोगा श्री मुकेश साहू सह संयोजक बोरेन्दा, गैंद सिंग साहू विधि प्रकोष्ट गोडपेंड्री, संजू साहू संयोजक संस्कृति प्रकोष्ठ अरमरीखुर्द, हितेन्द्र कुमार साहू सह संयोजक परसाही, अनिल साहू कार्यालय सचिव पाटन, बीरेन्द्र साहू संयुक्त सचिव तेलीगुन्डरा, शीतल साहूसंयुक्त सचिव अरसनारा, युगल साहू संयुक्त सचिव महुदा, आनन्द चंदन संयुक्त सचिव कानाकोट रूपेंद्र साहू संयुक्त सचिव रिवागहन, तहसील साहू संघ पाटन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि आप सबके विश्वास और स्नेह से आज मुझे तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष पद ग्रहण करने का अवसर प्राप्त हुआ यह मेरे लिए गौरव के साथ-साथ समाज सेवा का उत्तरदायित्व भी है। मैं आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ और आश्वस्त करता हूँ कि समाज की मर्यादा, एकता और सम्मान को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करूँगा। इसके आलावा कार्यकारिणी का विस्तार और किया जावेगा.

तहसील साहू संघ पाटन के संरक्षक श्री अश्वनी साहू ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि तहसील साहू संघ पाटन में आप सब पदाधिकारी बने हैं ।यह एक पद नहीं ,यह जिम्मेदारी है एक व्यवस्था है समाज को सुचारू रूप से चलाने की ।जिसमें आपको चुना इसलिए गया है कि आप अपने विचारों और कामों से समाज को बहुत आगे स्थल पर ले जा सकते हैं ।यह जिम्मेदारी है आपके लिए , साहू समाज जहां पर पहुंचा है उसके लिए हमारे बुजुर्गों की आशीर्वाद है हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि आज समाज को और आगे ले जा सकें । सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हु हमारे समाज के सभी पूर्व पदाधिकारी को भी कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए तथा समाज के सभी लोगों को मैं धन्यवाद करता हूं ।

दो महीने में होगा अनुकंपा नियुक्ति का निराकरण : गजेंद्र यादव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अनुकंपा नियुक्ति शिक्षा कर्मी कल्याण संघ की प्रदेश अध्यक्ष माधुरी मृगे ने अपने पदाधिकारियों और पीड़ित परिवारों के साथ 10 नवंबर को राज्य के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मंत्री यादव ने स्पष्ट कहा कि दो महीने के भीतर सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण कर दिया जाएगा।

यह आश्वासन सुनते ही लंबे समय से न्याय की राह देख रहे परिवारों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से भी भेंट की और उनसे निवेदन किया कि अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े आदेश शीघ्र जारी करवाए जाएं।

माधुरी मृगे ने डॉ. सिंह को बताया कि 25 अक्टूबर को उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी मुलाकात की थी और संघ के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की थी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि वे स्वयं मुख्यमंत्री से बात कर जल्द निराकरण कराएंगे।

मृगे ने कहा अब हम सिर्फ आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहते हैं। शिक्षा मंत्री जी ने जो कहा है, उसके क्रियान्वयन का हमें इंतजार है।

उन्होंने बताया कि संघ लगातार पीड़ित परिवारों के हक के लिए संघर्षरत है। यही माधुरी मृगे वही नेता हैं, जिन्होंने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में 307 दिन तक आंदोलन किया था। इस आंदोलन में एक शिक्षिका शांति साहू ने केश त्याग (मुंडन) कर विरोध जताया था, बावजूद इसके पिछली सरकार ने अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी उस समय आंदोलन के मंच से समर्थन देते हुए कहा था कि भाजपा सरकार बनने पर अनुकंपा नियुक्ति तुरंत दी जाएगी।

माधुरी मृगे ने बताया कि उनके प्रयासों से टीटी और डीएलएड 6 साल के अंदर पास करने वाले शिक्षकों को नियुक्ति का अधिकार मिला।

हिंदू जागरण मंच ने सुरक्षा को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन, संदिग्धों की सघन जांच की मांग

राजनांदगांव (समय दर्शन)। देश में बढ़ते आतंकी घटनाक्रमों और साजिशों को देखते हुए हिंदू जागरण मंच, जिला राजनांदगांव ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। मंच ने जिले में बाहरी लोगों, औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों और फेरी लगाकर सामान बेचने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की मांग की।

मंच ने ज्ञापन में कहा कि देश के 12 राज्यों में सिर कानून लागू होने के बाद देशभर में सीरियल धमाकों की साजिश रची गई है। इस टेरर मॉड्यूल में कई डॉक्टरों की संलिप्तता सामने आई है, जिनमें डा. शाहीन शाहिद, डा. आदिल अहमद, डा. मोहम्मद नबी उमर, डा. मुजम्मिल शकील और डा. सज्जाद अहमद के नाम शामिल हैं। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके में 12 लोगों की मौत और कई के घायल होने की घटना का भी उल्लेख किया गया।

मंच ने बताया कि फतेहपुर में 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ और गुजरात एटीएस ने तीन आतंकियों को पकड़ा, जिनके पास इतना जहरीला पदार्थ मिला था कि लाखों लोगों की जान जा सकती थी। गिरफ्तार आरोपियों में अहमद मोइनुद्दीन सैय्यद, आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सऊहेल शामिल हैं।

संगठन ने कहा कि जिले की बड़ी औद्योगिक इकाइयों जैसे एबिस ग्रुप सहित अन्य कंपनियों में बाहर से आए श्रमिकों और कर्मचारियों की पहचान व रिकॉर्ड की जांच आवश्यक है। इसके साथ ही, शहर में सड़कों किनारे फेरी लगाकर सामान बेचने वालों की भी जांच की जाए, ताकि किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

मंच ने कहा कि वह हमेशा राष्ट्रधर्म के पालन और जिले की सुरक्षा के लिए तत्पर रहेगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सुशील लड्ढा, प्रविन शर्मा, सविता बोस, संतोष टूरहाते, मनोज गोलछा, विष्णु सिन्हा, प्रभात गुप्ता, राजा रोहित तिवारी, गोविंद साहू, मुकेश सोनी, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, कुबेर साहू, संतोष सिंह, सुनील कुमार तिवारी, रोहित यादव, जुगल गुप्ता, हेमलाल ढीमरए, रामनारायण तंबोली, नीलू साहू, मुकेश सोनी, छनदा शाहा, राकेश कालू भाई, आनंद गुप्ता, राजू साव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) ।।

राजस्व मामला क्रमांक 202511093700001 अ-6 वर्ष 2025-26

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अवेदिका सुनीता सोनकर ध.प. डेरहू सोनकर, निवासी-नंदई चौक सोनकर पारा राजनांदगांव, तहसील व जिला-राजनांदगांव द्वारा शहर राजनांदगांव के मोहल्ला भरकापारा स्थित शीट क्रमांक 48 डी, भूखण्ड क्रमांक 131/2 क्षेत्रफल 94.00 वर्गमीटर जो धारक पुष्पादेवी ध.प. चम्पालाल जैन, निवासी-भरकापारा, राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है, पर पंजीकृत विक्रयपत्र के आधार पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान/संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 20.11.2025 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 04.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर)

न्यायालय नजूल अधिकारी
राजनांदगांव

नाम परिवर्तन

मै शपथकर्ता मोहम्मद अकरम चौहान (MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN) पिता स्व. मोहम्मद इब्राहिम निवासी मकान नं. 55/3, वार्ड नं. 08, तकिया पारा, दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं, मेरे पासपोर्ट क्रमांक J3413667 में मेरा पुराना नाम मोहम्मद अकरम (MOHAMMAD AKRAM) व मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड व मतदाता परिचय पत्र में मेरा नया नाम मोहम्मद अकरम चौहान (MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN) दर्ज है। मैने अपना पुराना नाम मोहम्मद अकरम (MOHAMMAD AKRAM) को त्याग कर अपना नया नाम मोहम्मद अकरम चौहान (MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN) रख लिया है।

अत: अब मुझे अपने पासपोर्ट / शासकीय/ अशासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में अपना नया नाम मोहम्मद अकरम चौहान (MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN) को दर्ज करवाना चाहता हूं तथा मुझे इसी नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाए।

शपथकर्ता
मोहम्मद अकरम चौहान
मकान नं. 55/3, वार्ड नं. 08,
तकिया पारा, दुर्ग
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग बेमेतरा

ज्ञाप क्र. 5926/व.ले.लि./2025-26 / बेमेतरा, दिनांक 10/11/2025

रूचि की अभिव्यक्ति

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत इस कार्यालय द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार माननीय मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण की आमसभा व्ही.आई.पी. कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों इत्यादि हेतु टेन्ट, पण्डाल, मंच इत्यादि के आयोजन व्यवस्था संपादित किया जाता है। वर्ष 2025-26 में इस कार्यालय द्वारा संपादित किये जाने वाले ऐसे कार्यक्रमों हेतु योग्य टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठानों की सूची तैयार किये जाने तथा आयटमों के दर निर्धारण हेतु इच्छुक अनुभवधारी एवं अर्हताधारी टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठानों से सहमति तथा आयटमवार दर प्रस्तुत करने हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया जाता है। विवरण निम्नानुसार है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 21/11/2025
2. दर प्रस्तुत करने की तिथि - 27/11/2025
3. दर खोलने की तिथि - 03/12/2025

अभिव्यक्ति आमंत्रण प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार दस्तावेज / प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

आवश्यक अर्हताएं:-

1. टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठान के मालिकाना तथा लाईसेंस की प्रति होना चाहिये ।
2. जी. एस. टी. पंजीयन की प्रति ।
3. टेन्ट हाऊस प्रतिष्ठान का विगत 03 वर्षो में टेन्ट हाऊस कार्यक्रम संपादन औसत वार्षिक टर्न ओवर कम से कम रू. 1.00 करोड़ होना आवश्यक है, तत्सम्बंध में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
4. विगत 03 वर्षो में छ.ग. राज्य में संपादित महत्वपूर्ण कम से कम 03 व्ही. व्ही.आई.पी. कार्यक्रम संपादित किये जाने जिसमें प्रति कार्य के लागत कम से कम रू. 1.00 करोड़ होने का अनुभव प्रमाण-पत्र, जो कार्यपालन अभियंता / समकक्ष अथवा उच्च अधिकारी से हस्ताक्षरित हो ।

विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

जी- 252604658/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग बेमेतरा

भागवत कथा श्रवण मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है: पंडित युवराज पांडे

पाटन में भागवत कथा का छठवां दिन, उमड़ी भीड़, पंडाल बढ़ानी पड़ गई

पाटन (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के नगर पंचायत पाटन मे 7 नवंबर से लगातार चल रहे श्रीमद भागवत कथा में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ सहित ओडिसा प्रदेश से भी हजारों कीं सख्या में श्रध्दालु पहुंच रहे हैं । यहां तक कि विशाल पंडाल में पैर रखने तक की जगह नहीं है। श्रद्धालुओं की अपार भींड पंडाल के बाहर भी लगा रहता है। आचार्य पंडित युवराज पांडेय के द्वारा भागवत कथा की वाचन शैली हर कोई प्रभावित नजर आता है और जब तक भागवत कथा चलता रहता है। कोई भी श्रध्दालु पंडाल से उठने का नाम नही लेते। कथा का आयोजन नगर पंचायत पाटन के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती मीना कश्यप की स्मृति में कराया जा रहा है। आज बुधवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में आज बहुत ही मनोहक झांकी सजाई गई थी जिसमें छत्तीसगढ़ लोक परम्परा अनुसार हल्दी रस्म सहित श्री कृष्ण जी एवं रूखमणी विवाह हुआ। मड़वा गीत के साथ सभी श्रद्धालु झूम उठे आज के कथा में छत्तीसगढ़ प्रसिद्ध कथावाचक पं युवराज पांडेय भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं सहित कालिदहन, गोवर्धन पूजा, माखन लीला, ब्रह्मा का मोह सहित गोपी का मां कात्यायनी का आराधना करना श्री कृष्ण को प्राप्त करने हेतु महाराज जी ने बताया कि महारास जीव का ब्रह्म से मिलना ही महारास है आत्मा का परमात्मा का मिलन ही महारास है। आज रूखमणी हरण तथा विधिवत उनकी विवाह का वर्णन किया। भगवान जीव के भाव के भुखे होते हैं। शुद्ध अंत:करण से प्रभु को स्मरण करने से परमात्मा अवश्य दर्शन देते हैं जिस प्रकार रूखमणी जी ने कान्हा को स्मरण किया और उनकी मनोकामना पूर्ण हुई जिसमें आज के कथा में उड़िया भजन के द्वारा आचार्य जी के भजनों ने भक्तजनों को मंत्र मुग्ध कर दिया आज की कथा में भक्तों जन सैलाब देखने को मिला सभी श्रद्धालु ओड़िया भजनों पर झूम उठे। आचार्य पंडित युवराज पांडेय ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते है, कथा अमृतपान करने से सम्पूर्ण पापो का नास होता है। उन्होंने कहा कि इस संसार में केवल भगवान ही हमारे है और कोई भी संसार में अपना नहीं है। इसलिए समस्त संसार से मोह को त्यागकर हमें भगवान के श्रीचरणो में अपने मन को लगाना चाहिए।

संक्षिप्त-खबर

नागरिको को पेयजल समस्या से निजात दिलाने पानी टंकी का निर्माण शीध्र पूर्ण हो-आयुक्त

भिलाईनगर(समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी, सुलभ शौचालय, शासकीय हाई स्कूल, बाल स्कूल सहित सर्कुलर मार्केट प्रस्तावित शौचालय निर्माण स्थल का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त एवं पार्षद विनोद चेलक द्वारा पावर हाउस फ्ल मंडी के समीप निर्माणाधीन पानी टंकी का अवलोकन किया गया। उस क्षेत्र के नागरिको को होने वाले पेयजल की समस्या को देखते हुए नवीन ओवर हेड टेंक का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण से कई परिवारों को पेयजल की समस्या से निजात मिलेगी। आयुक्त ने वार्ड क्रमांक-36 महात्मा गांधी नगर स्थित सुलभ शौचालय का निरीक्षण किये। शौचालय एवं आस-पास की साफ-सफाई का जायजा लिए और सफाई व्यवस्था बनाये रखने निर्देशित किये हैं। केम्प 02 शासकीय हाई स्कूल में नवीन भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसका अवलोकन कर आयुक्त ने संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य शीध्र पूर्ण करने कहा है। समीपस्थ बाल विद्यालय का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था देखे। पावर हाउस सर्कुलर मार्केट में पुराना भवन को तोड़कर नवीन शौचालय बनाना प्रस्तावित है, जिसका स्थल निरीक्षण कर कार्य शीध्र प्रारंभ कराने निर्देशित किये है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन उपस्थित रहे।

भूतपूर्व छात्रों में स्कूल को दान किया प्रोजेक्टर, बच्चो की पढ़ाई होगी आसान, तर्रा में अनुकरणीय पहल

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला तर्रा के भूतपूर्व छात्र डॉ हरिनारायण दुबे सेवानिवृत्त प्राचार्य कल्याण महाविद्यालय भिलाई,डॉ बेला दुबे प्रोफेसर, बसन्त दुबे,कमला तिवारी,सरल शर्मा सेवानिवृत्त शिक्षिका एवम पूरे दुबे परिवार खेली के द्वारा विद्यालय को प्रोजेक्टर,स्क्रीन प्रदान किया गया।बच्चों को स्टेशनरी एवम फ्ल मिठाई का वितरण किया गया।बच्चों के लिए न्यौता भोजन का आयोजन किया गया।सभी ने आज से 70 वर्ष पहले तर्रा स्कूल में पढ़ाई जीवन का अनुभव बाँटे।इस कार्यक्रम में रज्जू सोनी अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति, सरपंच विपिन चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर भाजपा मंडल अध्यक्ष अमलेश्वर, नरसिंह चंद्राकर, खिलावन चंद्राकर अध्यक्ष ग्राम शिक्षा समिति,रामेश्वर कोसे, प्राचार्य अजय शर्मा समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रोहित साहू ने किया।

सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक हुई

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक सतनाम भवन पाटन में जिलाध्यक्ष अहेंद्र चेलक जी के नेतृत्व में आयोजित हुई,जिसमें बतऔर मुख्यतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री कमल कुर्रे जी शामिल हुए,साथ में .श्री चंद्रशेखर बंजारे जी अध्यक्ष सतनामी आश्रम दुर्ग

.श्री जीतू नवरंग जीप्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवम जेल यात्री बलौदाबाजार से.श्री दिलीप कुर्रे जीप्रदेश महामंत्री राजा बंजारे जीप्रदेश महामंत्री.श्री डिकेश टंडन जीसदस्य कोरकमेटी श्री उपकार सुल्तान जीसदस्य कोरकमेट.श्री सूरज घृतलहरे जी जिला महामंत्री.श्री जैकी चेलक जीजिला महामंत्री श्री श्यामलाल देशलहरा जीसंरक्षण दुर्ग.श्री दुकालू खुटे जीसंरक्षण दुर्ग श्रीमती बसंती गायकवाड जी उपाध्यक्ष तह.सत.समाज दुर्ग श्रीमती सरस्वती देशलहरा जी महासचिव तह.सत.समाज दुर्ग राजकुमार बघेल उपाध्यक्ष तह.सत.समाज पाटन श्री भावेश डहरे जी तह.सत.समाज दुर्ग श्री अमन टंडन जी जेलयात्री अकलतरा श्री कोमल संभाकार धमतरी शामिल हुए।इस इस अवसर पर आए हुए मुख्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की युवा शक्ति एकजुट होकर समाज के लिए कार्य करे,और सामाजिक एकता का परिचय दे।आगामी होने वाले सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़-कर हिस्सा ले और युवाओं से अपील किए की नशापान मांस मदिरा से दूर रहे, समाज में किसी को कोई समस्या हो तो आपस में मिलजुलकर उस समस्या का समधान करे,अपने हक अधिकार के लिए हमेशा जागरूक रहे,लेकिन आवेश में आकर कोई भी गलत टीका-टिप्पणी ना करे और आर्थिक रूप से मजबूत बने,समाज को सही दिशा में ले जाए। इस बैठक में पाटन तहसील के सैकड़ो गांव से सामाजिक संत शामिल हुए।

अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी के लिये टीम को करें एक्टिव - कलेक्टर

तीन दिन में शतप्रतिशत थोक एवं फुटकर व्यापारियों सहित मिलर्स का सत्यापन करने के निर्देश

भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर ने धान खरीदी तैयारी की समीक्षा की कलेक्टर दीपक सोनी ने बुधवार को खाद्य, सहकारिता एवं कृषि विभाग के अधिकारियो की बैठक लेकर धान खरीदी की तैयारी एवं अवैध धान पर कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होने मण्डी सचिव एवं उप निरीक्षकों द्वारा सुस्त कार्यवाही पर फटकार लगाते हुए अगले तीन दिन में शतप्रतिशत थोक एवं फुटकर व्यापारी सहित मिलर्स का सत्यापन पूरा करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी के लिये खाद्य एवं राजस्व विभाग की टीम को सक्रिय करें। इसके साथ ही सभी 12 जांच नाका को भी सक्रिय करें। धान खरीदी अगले दो दिन बाद शुरू हो रहा है इसके लिये सभी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि धान खरीदी के दौरान कहीं भी अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन की शिकायत मिलने पर सम्बधित क्षेत्र के मण्डी सचिव की जिम्मेदारी होगी और संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही होगी। कलेक्टर ने समर्थन मूल्य में धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा करते हुए समितियों में बरदाने की उपल्बधता सहित अन्य तैयारी की जानकारी ली अधिकारियों ने बताया कि 15 दिन खरीदी के लिये बारदाने सभी समितियों में उपलब्ध है। धान खरीदी हेतु बुधवार को सभी समितियों में ट्रायल रन भी किया गया है।कलेक्टर ने कहा कि एग्रीस्टेक पंजीयन हेतु छूटे हुए किसानों का पंजीयन कराएं, किसानों का केसीसी बनाएं। उन्होंने सम्पर्क केन्द्र में स्थापित जिला कंट्रोल रूम को एक्टिव करते हुए शिकायत, सुझाव पर त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने सम्पर्क केन्द्र से सभी चेक पोस्ट एक्टिवेशन की जानकारी लेने के निर्देश दिये।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर

महासमुंद (समय दर्शन)। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कर्मचारी संघ रायपुर के बैनर तले बैंक कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये है। जिससे जिले भर के 16 सहकारी बैंक शाखाओं में ताला लटका रहा है। इधर हड़ताल के चलते यहाँ अपने काम से पहुंचे किसान परेशान नजर आये।

बता दें कि वर्ष 2021 के बाद से सहकारी बैंक कर्मचारियों का वेतन वृद्धि की मांग लंबित है। तब से इन पांच सालों में कर्मचारियों ने अलग- अलग समय में अपनी एक सूत्रीय जारज मांग को लेकर आंदोलन किया है।

बावजूद उनकी मांगों पर शासन द्वारा विचार नहीं किया गया। इसी मांग को लेकर बीते 29 अक्टूबर से कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन पर है और काली पट्टी लगाकर काम कर रहे थे। विगत 6 नवंबर को कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश कर लोहिया चौक पर एक दिवसीय ना - प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था कि अगर 11 नवंबर तक मांग नहीं मानी गयी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी थी। मंगलवार तक शासन द्वारा मांग न माने जाने की स्थिति में आज जिले के सभी 16 शाखाओं में ताला लग गया है, जिसके कारण किसानों को नगदी वितरण, रबी सीजन की तैयारी, खरीफ सीजन धान विक्रय का भुगतान, कृषि ऋण सहित समितियों के मॉनिटरिंग संबंधित कार्य व अन्य संबंधित कार्य प्रभावित रहा। बैंक के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि पिछले पांच सालों से एक सूत्रीय मांग को लेकर हम लगातार पांच सालों से आंदोलन कर रहे है पर शासन हमारी मांग पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। इधर बैंक बंद होने से किसान केवाईसी, राशि निकासी, नया खता खुलवाने व अन्य कार्य के लिए भटक रहे है। फिलहाल प्रदेश पदाधिकारियों से शासन स्तर पर चर्चा चल रही है। जैसे ही मांग पूरी होती है बैंक खुलेंगे।

जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने सहकारी समिति कर्मचारी संघ के आंदोलन को दिया समर्थन

जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने जिला सहकारी समिति कर्मचारी संघ एवं समर्थन मूल्य धान खरीदी कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। यह आंदोलन 03 नवंबर 2025 से अनिश्चितकालीन धरना, रैली और प्रदर्शन के रूप में जारी है, जिसमें कर्मचारियों ने अपनी चार सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर आवाज़ बुलंद की है।

कर्मचारियों की मुख्य माँगों में मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी सहकारी समिति कर्मचारियों को वेतनमान व अन्य सुविधाएँ दिए जाने, सेवा नियम 2018 का आर्थिक संशोधन कर पुनरीक्षित वेतनमान लागू करने, धान खरीदी कार्य के लिए मानदेय में बढ़ोतरी करने और धान खरीदी नीति 2024-25 में कम्प्यूटर ऑपरेटरों को नियमित नियुक्ति में शामिल करने की माँग शामिल है।

मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि कर्मचारी संघ जिंदाबाद कहते हुए कहा कि, कर्मचारियों की मांग 100 ब्र जायज है। सरकार को इस मांग को तुरंत लागू करना चाहिए। आने वाले समय में धान खरीदी है। आप लोग परेशान हैं,सलकार आपको परेशान करना चाह रही है ,साथ में किसानों को भी टारगेट मे ले कर चल रही है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने आकांक्षा सत्यवंशी को शौर्य प्रतीक गदा भेंट कर कहा हनुमान की कृपा हम पर सदैव रही

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट रहीं श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी एवं उनके परिजनों से अपने निवास पर आत्मीय भेंट की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उन्हें शौर्य के प्रतीक के रूप में गदा भी भेंट किया। जिस पर आकांक्षा ने हर्ष पूर्वक अपने विश्वकप के फाइनल मैच में गदा से जुड़ा एक वाक्या बताया कि वे भी हनुमान जी की भक्त हैं और आखरी मैच में खिलाड़ी राधा यादव और क्रांति गौड़ पूरे समय हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। फिर मैच खेलते समय उन्होंने एक छोटा सा गदा मेरे हांथों में देकर उसे मैच के अंत तक पकड़े रहने कहा था और भगवान हनुमान की कृपा हम पर बनी रही और हम विश्व विजेता बन गए।

आकांक्षा ने उपमुख्यमंत्री से कहा कि कैसे एम्स रायपुर की पक्की नौकरी छोड़कर उन्होंने क्रिकेट टीम की फिजियो बनीं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पढ़ाई के बाद रायपुर मेडिकल कॉलेज से फिजियोथेरेपी में स्नातक और कटक से स्नातकोत्तर किया। उन्होंने कई न्यूरो सर्जन्स के साथ काम किया और उसी वक्त उन्होंने फेसबुक पर अपनी ट्रेवलिंग के शौक के साथ अपनी बक्केट विश लिस्ट शेयर की थी। उन्होंने कहा उन्हें नहीं पता था कि एक फेसबुक पोस्ट मेरी दुनिया बदल देगा। फेसबुक पोस्ट से मेरे घूमने के शौक को जानकर मेरी सीनियर ने मुझे छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम से जुड़ने का ऑफर दिया और उसी वक्त उनका चयन एम्स रायपुर के लिए भी हुआ था। घर में लोग स्थाई नौकरी के लिए मुझे एम्स जाने के लिए कहा पर माता-पिता और भाई ने उन्हें सपोर्ट किया और उन्होंने स्थाई नौकरी छोड़ क्रिकेट के साथ अपनी यात्रा प्रारम्भ की एवं छत्तीसगढ़ महिला क्रिकेट टीम की तीनों वर्गों को अपनी सेवाएं दी और उनके अच्छे काम ने उन्हें बीसीसीआई की नजर में ला दिया और सीधे सीनियर भारतीय महिला टीम के साथ उन्हें एक कार्यशाला में कार्य करने का मौका मिला और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आकांक्षा ने बताया कि उन्हें घूमने का शौक है। जबकि पहले महिलाओं का सफर करना बहुत कठिन होता था। अब मुझे घर वालों का साथ मिला और अब सब बदल गया है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अब खेल हो या फाइटर प्लेन उड़ाना हर क्षेत्र में महिलाएं आगे आ रहीं हैं। अब तो शासन में भी महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

बस्तर ओलंपिक में शामिल होने उपमुख्यमंत्री ने दिया न्योता

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आकांक्षा को वर्ल्ड कप विजय की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सफलता पूरे छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है। कवर्धा की बेटी का विश्व विजेता बनने में अमूल्य योगदान हम सभी के लिए गर्व की बात है। छत्तीसगढ की बालिकाएं भी खेल के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित होंगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आकांक्षा सत्यवंशी को सम्मान स्वरूप मेडल पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और पूरे परिवार के साथ स्वल्पाहार भी किया। फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस सफलता में योगदान दे पाई। उन्होंने अपने पति को अपना सहयोगी बताया। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें बस्तर ओलंपिक में शामिल होकर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित भी किया।

ओलंपिक में पदक दिलाएंगे बस्तर के युवा

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार खेल, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों को निरंतर विस्तार दे रही है। बस्तर ओलंपिक के माध्यम से बस्तर की विलक्षण प्रतिभाएं आगे आ रहीं हैं। उन्होने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि बस्तर ओलंपिक से प्रतिभाओं की तलाश कर उन्हें अगले ओलंपिक के लिए तैयार करें और वे भारत को अगले ओलंपिक में पदक दिलाएंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उन्हें भात और साग खाना बहुत पसंद है। तो आकांक्षा ने उपमुख्यमंत्री को डाइट टिप्स देते हुए कहा कि आपको तो छत्तीसगढ़िया साग पसंद है वो खाना भी बहुत जरूरी है।

छात्राओं को किया गया साइकिल वितरण

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्वामी आत्मानंद पंचम दीवान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज सरस्वती साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा जी एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उल्लास और उत्साह का माहौल देखने को मिला। छात्राओं ने नई साइकिल प्राप्त कर अपार हर्ष व्यक्त किया और शासन की इस जनहितकारी योजना के लिए आभार जताया। सरस्वती साइकिल वितरण योजना का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उच्च शिक्षा के मार्ग में आने वाली दूरी और परिवहन की कठिनाइयों को दूर करना है। इस योजना से न केवल छात्राओं में शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ी है, बल्कि विद्यालय में उपस्थिति दर में भी सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही यह योजना अत्यंत सराहनीय है। साइकिल मिलने से छात्राओं की शिक्षा यात्रा और अधिक सुगम बनेगी तथा वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही विकास की कुंजी है। सरस्वती साइकिल वितरण योजना से बेटियों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि समाज में समान अवसरों की भावना भी सशक्त होगी। नगर पालिका परिषद भाटापारा सदैव शिक्षा और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहेगी। कार्यक्रम में सभापति गोविंद पटेल ,कुंजराम कोशले पूर्व जिलामहामंत्री राकेश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सुनील यदु, नंद किशोर वैष्णव,सतीश साहू,गोवर्धन डहरिया, बंटी टंडन मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाए बच्चे उपस्थित रहे।

आदिवासी जमीन पर कब्जे की साजिश? भाजपा नेता पर जानलेवा धमकी का गंभीर आरोप

पिथौरा(समय दर्शन)। ग्राम पंचायत टेका (सुंदरगढ़) के निवासी मनबोध कोडाकू ने बताया कि, मेरे नाम की जमीन ग्राम पंचायत डोंगरीपाली, तह. पिथौरा, प.ह.न. 09 में स्थित भूमि खसरा न. 452/1 रकबा 1.3700 हे. मेरे नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है और इस जगह भूमि पर मैं और मेरी पत्नी- पालबाई, पुत्र- रथुराम, बहु- परमिला, पुत्र- ललित, भाई राजकुमार, बहु- मेला बाई, भाई खेल कुमार बहु- हेमबाई, भतीजा टिकेश्वर एवं गणेश्वर के साथ, दिनांक 10/11/2025 दिन सोमवार को सुबह 10 बजे हमारे खेत में हम सपरिवार धान की कटाई कर रहे थे।

इसी बीच डोंगरीपाली के दुलीकेशन साहू एवं किरण साहू जो कि रिश्ते में पति-पत्नी हैं, तथा दुलीकेशन साहू भाजपा नेता है, और उसकी पत्नी किरण साहू ग्राम पंचायत डोंगरीपाली का सरपंच है, दुलीकेशन साहू अपने आप को केंद्रीय मंत्री तोखन साहू का करीबी बताता है।

यह दोनों पति-पत्नी मेरे खेत में आए और कहने लगे कि यह जमीन हमारा है तुम क्यों धान की कटाई कर रहे हो बोलकर हमको जाती सूचक गालियां देते हुए तुम आदिवासी कोडा गंवार साले अनपढ़ लोग कहकर गंदी गंदी माँ बहन की गलियां देने लगे, और आगे दुलीकेशन साहू और उसकी पत्नी किरण साहू द्वारा कहा गया कि, अगर दोबारा इस खेत में आकर तुम धान कटाई करोगे तो तुम पूरे आदिवासी परिवार को घर घुसकर जान से मारेंगे कहकर,धमकी दिया।

जिससे हम पूरा परिवार डरे हुए और अपमानित महसूस कर रहे हैं, हमारे बीच हुए इस घटना को, महेश कर्ष ग्राम टेका (सुंदरगढ़) और सीताराम साहू ग्राम कैलाशपुर के लोग देखे और सुने है।

मिली जानकारी के अनुसार सरपंच पति दुलीकेशन साहू के ऊपर डोंगरीपाली के ग्रामीणों ने पंचायत के लाखों रुपए पूर्व सरपँच अहिल्या बरिहा के साथ मिल कर एक फर्जी फर्म साहू इंटरप्राइजेज के नाम से हड़पने का आरोप भी लगा है।

जिसके जांच के लिए अधिकारी पहुँचने से डोंगरीपाली ग्राम पंचायत से बाहर भग जाते है ।

डोंगरीपाली पंचायत के प ह नंबर 09, खसरा नंबर 452/1 रकबा 1:3700 भूमि के संबंध में मनबोध कोड़ाकू द्वारा मेरे खिलाफ लगाया गया आरोप,एवं पंचायत के करोड़ों रुपयों को हड़पने का आरोप पूरी तरह से फर्जी व भ्रामक है..

दुलिकेशन साहू

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26